RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चे...

वर्ष : 27 अंक : 263 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 11 सितंबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

काशी से भारत-मॉरीशस की दोस्ती की उड़ान

पीएम मोदी का रोड शो, जगह-जगह भव्य स्वागत

पीएम मोदी और मॉरीशस पीएम रामगुलाम के बीच द्विपक्षीय वार्ता

वाराणसी (एजेंसी)। काशी में गुरुवार को पीएम नरेन्द्र मोदी मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम संग बैठक करने पहुंच रहे हैं। इस दौरान दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूती मिलेगी। भारत-मॉरीशस के बीच बेहतर संबंधों की नई सुबह हुई है। मॉरीशस के पीएम से मुलाकात से पूर्व प्रधानमंत्री मोदी ने रोड शो किया। सड़के के दोनों ओर खड़े शहरवासियों ने पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वायुसेना के विशेष विमान से सुबह 10:43 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचे तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान एयरपोर्ट पर उनकी आगवानी की। उसके बाद प्रधानमंत्री वायुसेना के हेलीकाप्टर में 10:56 बजे सवार हुए और शहर के लिए उड़ान भरी, इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही। खुफिया एजेंसियां आईबी, एलआइयू और पुलिस के आला अधिकारी अलर्ट रहे। वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेलीकाप्टर से पुलिस लाइन वाराणसी पहुंचे तो वहां पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पीएम ने सभी से भेंट कर उनका कुशलक्षेम पूछा। प्रधानमंत्री ने इसके बाद रोड शो किया। पूरा वातावरण केसरिया हो गया है। शहरवासियों ने प्रधानमंत्री पर पुष्प वर्षा की।

काशी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काशी आगमन पर भव्य स्वागत की तैयारी की गई थी। जगह-जगह सांस्कृतिक आयोजनों के साथ ही पोस्टर बैनर और होर्डिंग लगाकर दोनों देशों के पारस्परिक संबंधों को महत्ता दी गई है।

मॉरीशस के प्रधान मंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने वाराणसी में गुरुवार की सुबह विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात की। वाराणसी में लगभग 11.30 बजे, प्रधानमंत्री मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम की मेजबानी करेंगे, जो 9-16 सितंबर 2025 तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं।

इस बैठक में दोनों देशों के नेता द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की गहन समीक्षा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. चर्चा के मुख्य विषय ये होंगे- उभरते क्षेत्र, जैसे- नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक (शेष पृष्ठ-3 पर)

पूर्णिया स्पेशल ट्रेन की लगेज बोगी में लगी आग, बड़ा हादसा टला

नोएडा (चेतना मंच)। साहिबाबाद रेलवे स्टेशन पर आज सुबह एक बड़ा हादसा होने से टल गया। स्टेशन पर खड़ी पूर्णिया स्पेशल ट्रेन की लगेज बोगी में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। लगेज बोगी में रखा सामान आग में जलकर खाक हो गया। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर काबू पाया जिसके बाद एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

जनपद कमिश्नरेट गाजियाबाद में गुरूवार को सुबह फायर स्टेशन साहिबाबाद में सूचना प्राप्त हुई कि रेलवे स्टेशन साहिबाबाद पर ट्रेन के एक कोच में आग लगी है। सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी (शेष पृष्ठ-3 पर)

सोसायटी के केयरटेकर को धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक व्यक्ति के खिलाफ बंद पड़ी सोसायटी के केयरटेकर के साथ गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मेरठ कैंट निवासी धर्मवीर सिंह ने बताया कि वह पूर्व में भारतीय सेवा में कार्यरत था और वर्तमान में वह मेरठ में अपने परिवार के साथ रह रहा है। उसकी कोट गांव में पुश्तैनी जमीन है। उसने अपनी पुस्तैनी जमीन पर पैरामेडिकल सोसायटी बनाई थी। कोविड के बाद से उसकी सोसायटी का काम बंद पड़ा हुआ है। सोसायटी की देखभाल के लिए उसने (शेष पृष्ठ-3 पर)

माँ-बेटी ने जबरन रख लिया पासपोर्ट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 में एक व्यक्ति ने माँ-बेटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि फोटोकॉपी की दुकान चलाने वाली माँ-बेटी ने अनुचित रूप से उसका पासपोर्ट अपने पास रख लिया है।

सेक्टर-40 निवासी अजय अग्रवाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 7 सितंबर की शाम को एफ ब्लॉक मार्केट में जय दुर्गा फोटोकॉपी की दुकान पर कुछ डॉक्यूमेंट की फोटो कॉपी कराने के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने कुछ डॉक्यूमेंट की फोटोकॉपी कराई तथा कुछ प्रिंट आउट निकलवाए। उसने जब बिल मांगा तो दुकानदार निम्मी चौहान ने उसे 515 रुपए बताए। उन्होंने जब इतने ज्यादा बिल के बारे में आपत्ति जताई तो निम्मी चौहान और उसकी बेटी उनसे अभद्र व्यवहार करने लगी। मां बेटी द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने पर उसने अपनी पत्नी को दुकान पर बुला लिया। दोनों ने उसके साथ भी बदतमीजी की और जान से मारने की धमकी दी।

अजय अग्रवाल के मुताबिक मां-बेटी ने उनका पासपोर्ट भी जबरन अपने पास रख लिया और उसे वापस नहीं लौटाया। दोनों मां बेटी पासपोर्ट लौटाने की एवज में उससे पैसों की डिमांड कर रही है। पीड़ित की शिकायत पर थाना सेक्टर-39 पुलिस ने मां बेटी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

एचआईएमटी कॉलेज के छात्र से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के एचआईएमटी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र के साथ 6 युवकों ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। मारपीट में छात्र बुरी तरह घायल हो गया।

नोएडा के सेक्टर-122 स्थित पृथला गांव निवासी कृष्ण पुत्र राजवीर ग्रेटर नोएडा के एचआईएमटी कॉलेज में पढ़ता है। 10 सितंबर को वह घर से कॉलेज आया था। दोपहर के समय लकी डेढ़ा, अभिषेक भाटी, योगेश बेसोया, लकी तंवर, मोहम्मद सोहेल ने कृष्ण पर लाठी डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने लोहे की कुर्सी भी उसके सर में मार दी जिससे उसका सर फट गया। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। कृष्ण ने अपने साथ हुई मारपीट की सूचना परिजनों को दी। इसके बाद परिजन कॉलेज पहुंचे और घायल कृष्ण को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इस संबंध में पीड़ित छात्र के भाई बहादुर ने छह आरोपियों के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना रबूपुरा में दो लोगों के खिलाफ मारपीट करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रबूपुरा निवासी मुकेश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपने भाई सचिन के साथ घर में बैठकर रोटी खा रहा था। कुछ देर बाद उनका भाई सचिन घर से बाहर चला गया। इस दौरान निखिल व निहाल ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

नेपाल हिंसा में गाजियाबाद की महिला की मौत

गाजियाबाद (ब्यूरो)। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हुई हिंसा के बाद अब हिंसा के निशान बचे हैं। अभी भी नेपाल में तनावपूर्ण माहौल है। वहीं खबर आई है कि नेपाल में हुई हिंसा में एक भारतीय महिला की भी मौत हो गई है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद शहर की रहने वाली इस महिला का शव आज शाम तक गाजियाबाद लाया जाएगा।

गाजियाबाद के नंदग्राम थाना क्षेत्र की मास्टर कॉलोनी में रहने वाले रामवीर सिंह गोला (58) अपनी पत्नी राजेश गोला (55) के साथ काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए 7 सितंबर को गए थे। भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन के बाद दंपति काठमांडू स्थित हयात रेजिडेंसी की चौथी मंजिल कमरे में ठहरे। रात करीब साढ़े 11 बजे उपद्रवियों ने होटल में आग लगा दी। होटल आग से घिरा तो दंपत्ती ने चौथी मंजिल से कूदकर जान बचाने का प्रयास किया। दंपत्ती बचाव दल ने बिछाए गद्दों पर गिरे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा में हादसा, कीया कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 142 क्षेत्र के सेक्टर 145 में तेज गति में आ रही कीया कार के चालक ने होंडा सिटी कार में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अनियंत्रित कीया कार एक बाइक से टकरा गई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया।

सेक्टर 145 मेट्रो स्टेशन के पास आज सुबह तेज गति में आ रही कीया कार के चालक ने होंडा सिटी कार में टक्कर मार दी। होंडा सिटी कार में टक्कर मारने के बाद कीया कार का चालक नियंत्रण खो बैठा और उसने बाइक पर जा रहे दो युवकों को टक्कर मार दी। बाइक में टक्कर लगने के बाद कीया कार सड़क के पास बनी नाली में गिर गई और उसमें आग लग गई। आसपास के लोगों ने किसी तरह कार में बैठे चालक को बाहर निकाला। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक (शेष पृष्ठ-3 पर)

लापता हुई दो छात्राएं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना फेस 3 में मामूरा गांव की रहने वाली शोभा (काल्पनिक नाम) ने अपनी बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह नोएडा की एक कंपनी में काम करती है और उसके पति बेंगलुरु में रहते हैं। 8 सितंबर को वह अपनी ड्यूटी पर चली गई थी। घर पर उसकी दो

बेटियां थी। किसी बात को लेकर दोनों बेटियों के बीच आपस में कहासुनी हो गई। कहासुनी के बाद दोपहर के समय उनकी 9 वर्षीय बेटी घर से चली गई। शाम को जब वह ड्यूटी से लौटी तो उन्हें अपनी बेटी घर पर नहीं मिली। इस पर उन्होंने उसकी काफी (शेष पृष्ठ-3 पर)

चोरी की बाइक के साथ पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश के पास से चाकू भी बरामद हुआ है। थाना प्रभारी विनोद मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-140 में चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि चोरी की बाइक पर एक व्यक्ति सेक्टर-140 की तरफ आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद एफएनजी रोड से बिना नंबर प्लेट की बाइक पर एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगा जिसे पुलिसकर्मियों ने दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से एक चाकू भी बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम विपिन निवासी ग्राम खेमपुर जनपद अलीगढ़ बताया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सुप्रीम कंपनी के नकली पाइप बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर छपरौला गांव में स्थित मार्केट की एक दुकान पर सुप्रीम कंपनी का नकली पाइप बेचने के आरोप में दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। दुकान से बड़ी मात्रा में सुप्रीम कंपनी के नकली पाइप बरामद हुए हैं।

इनविक्टस आईपीआर कंपनी के मैनेजर मनीष जिंदल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्हें काफी दिनों से क्षेत्र में सुप्रीम कंपनी का नकली पाइप बेचे जाने की शिकायत मिल रही थी। शिकायत के आधार पर उन्होंने

छपरौला गांव में स्थित मार्केट का सर्वे किया। सर्वे के दौरान पता चला कि शर्मा पेंट हार्डवेयर एंड सैनिटरी स्टोर के मालिक प्रवेश शर्मा द्वारा नामी सुप्रीम कंपनी के नाम से नकली सीपीवीसी पाइप मार्केट में बेचा जा रहा है। उन्होंने इसकी सूचना थाना बादलपुर पुलिस को दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पिस्टल व कारतूस के साथ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर पुलिस ने एक बदमाश को पिस्टल व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम ननुआ के राजपुर जाने वाली सर्विस रोड पर एक बदमाश खड़ा हुआ है। उसके पास अवैध हथियार है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से 32 बोर की पिस्टल व दो कारतूस बरामद हुए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

अच्छी खबर : एक्वा मेट्रो के लिए अलग से नहीं लेना पड़ेगा टोकन

सीईओ आज लांच करेंगे दिल्ली मेट्रो-एक्वा मेट्रो का कॉमन QR टिकट

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा से दिल्ली के बीच मेट्रो में सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) तथा नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) की चलने वाली मेट्रो ट्रेन के लिए अलग-अलग कूपन नहीं लेने होंगे। बल्कि एक ही क्यूआर कोड आधारित टोकन से दोनों ही स्थानों की अलग-अलग मेट्रो में यात्री सफर कर सकेंगे।

नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी और नोएडा अथॉरिटी के सीईओ डॉ लोकेश एम आज शाम को गंगाशॉपिंग कॉम्प्लेक्स स्थित एनएमआरसी के ऑफिस मे दोनों मेट्रो के बीच कॉमन क्यूआर टिकट का सॉफ्ट लांच करेंगे। इसके बाद यात्री एक ही क्यूआर टिकट खरीदकर दिल्ली मेट्रो और नोएडा की एक्वा लाइन पर सफर कर सकेंगे।

बता दें कि अभी तक दिल्ली मेट्रो और नोएडा मेट्रो के लिए यात्रियों को अलग-अलग टोकन या टिकट की जरूरत होती थी क्योंकि ये दोनों मेट्रो अलग-अलग निगमों द्वारा संचालित की जाती हैं। जहां दिल्ली मेट्रो को डीएमआरसी चलाता है। वहीं नोएडा मेट्रो को एनएमआरसी चलाता है। हालांकि अब इन दोनों ही मेट्रो में एक क्यूआर टिकट चलेगा। यानी अब एक ही क्यूआर टिकट से पूरे एनसीआर में सफर किया जा सकेगा।

तीनों प्राधिकरणों में लागू होगा समान बिल्डिंग बायलॉज!

एफएआर, ग्राउंड कवरेज, पार्किंग व ग्रीन एरिया के नियमों में होंगे बदलाव

नोएडा (चेतना मंच)। अब उत्तर प्रदेश के 9 प्राधिकरणों में समान बिल्डिंग बायलॉज बनाए जाएंगे। इसके लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारी शासन स्तर पर बैठक के लिए अपना सुझाव तैयार कर रहे हैं। समान बायलॉज लागू होने के बाद एफएआर, ग्राउंड कवरेज के क्षेत्र में भी वृद्धि होनी तय माना जा रहा है।

इसका मकसद है निर्माण नियमों को आसान बनाना, निवेश को आकर्षित करना और अनावश्यक लालफीताशाही को खत्म करना है। 1 सितम्बर को राज्य स्तरीय समिति ने इसकी समीक्षा की जिनमें लैंड यूज, एफएआर (फ्लोर एरिया रेश्यो),

ग्राउंड कवरेज, सेटबैक, पार्किंग और ग्रीन एरिया से जुड़े बड़े बदलाव प्रस्तावित हैं। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि मांगे गए पाइंट पर सुझाव शासन को भेजे जा रहे है।

यह कदम गुजरात, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे राज्यों तथा सिंगापुर-हांगकांग जैसे वैश्विक शहरों के मॉडल को ध्यान में रखकर उठाया गया है। सबसे अहम बदलाव है ग्राउंड कवरेज की सीमा खत्म करना। अभी तक उद्योग केवल 35 से 60 प्रतिशत, आवास 35 से 40 प्रतिशत और वाणिज्यिक/संस्थागत परियोजनाएं 30 से 60 प्रतिशत क्षेत्र पर ही निर्माण कर सकती थीं। जबकि आवास विकास परिषद (आवास विकास) में ऐसी कोई पाबंदी नहीं थी। अब प्रस्ताव है कि सभी प्राधिकरणों में कवरेज की सीमा हटाकर पूरी तरह लचीलापन दिया जाए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

उग्र आंदोलन

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगाने के बाद उग्र हुआ आंदोलन आखिरकार संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। बहरहाल इस हिंसक प्रतिकार में 19 से अधिक युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दरअसल, शुरुआत में सोशल मीडिया साइटों पर एक विवादास्पद प्रतिबंध ने युवा नेतृत्व वाले जेन-जेड समूह के गुस्से को भड़का दिया। यह समूह सत्ता के शीर्ष पदों पर कथित भ्रष्टाचार और उनकी संतानों के विलासी जीवन के खिलाफ अभियान चला रहा था। इस युवा ब्रिगेड ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दावा किया कि मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की संतानों की फिजूलखर्ची भरी जीवनशैली अवैध धन-दौलत की बदौलत है। इस पोल-खोल अभियान से घबरायी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का असफल प्रयास किया। सरकार का यह दांव उस पर ही उलटा पड़ा और सरकार की ही विदाई हो गई। हालांकि, युवाओं का आक्रोश देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वैसे इस आंदोलन के दौरान जिस तरह हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। युवाओं की हिंसक भीड़ ने मंगलवार को संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया। दरअसल, आंदोलनकारी शासन व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे हैं। उनकी मांग रही कि सोमवार को पुलिस गोलाबारी में हुई मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दी जाए। अराजकता और अव्यवस्था के बीच, काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर, बालेन शाह, एक प्रभावशाली हितधारक के रूप में उभरे हैं। इस पैंतीस वर्षीय पूर्व रैपर ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करके जेन-जेड का विश्वास जीता है। उन्होंने संसद भंग करने की मांग की है। जिसके बाद सैन्य अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई। निस्संदेह, मौजूदा वक्त में सेना की बड़ी भूमिका होने के बाद अब उसके व सुरक्षा एजेंसियों के लिये तात्कालिक चुनौती अस्थिर स्थिति पर नियंत्रण और सामान्य स्थिति को बहाल करने की होगी। आने वाले दिनों में व्यवस्थागत सुधारों के रोडमैप पर चर्चा के साथ बातचीत के जरिये संकट का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, ओली और उनके पूर्ववर्तियों की नीतियों की विफलता ने युवाओं में निराशा व मोहभंग को बढ़ावा दिया है। वहीं इस उथल-पुथल के मूल में नेपाली अर्थव्यवस्था का संकट भी है, जो पर्यटन और प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम पर निर्भर रही है। विडंबना यह है कि इन दोनों स्रोतों में पिछले वर्षों में कमी आई है। बेरोजगारी दर का बीस फीसदी के आसपास होना युवाओं के आक्रोश को तार्किक बनाता है। दरअसल, सरकार युवाओं की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने में नाकाम ही रही है। आये दिन नेताओं द्वारा किए जाने वाले वायदों से खिन्न युवा धरातल पर बदलाव देखना चाहते हैं। बहरहाल, मौजूदा उथल-पुथल ने नेपाल को एक नई शुरुआत करने का अवसर जरूर दिया है। वहीं भारत के लिये भी यह सचेतक घटनाक्रम है कि उसके पड़ोस में श्रीलंका, बांग्लादेश के बाद नेपाल में जनाक्रोश में विदेशी जमीन से संचालित सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। युवाओं की आकांक्षाओं और रोजगार की चुनौती को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, सोशल मीडिया ने युवाओं की आकांक्षाओं को सातवें आसमान पर पहुंचाया है और हकीकत में हमारा धरातल खासा खुरदरा है।

सी.पी. राधाकृष्णन: एक नये अध्याय की शुरुआत

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।

सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

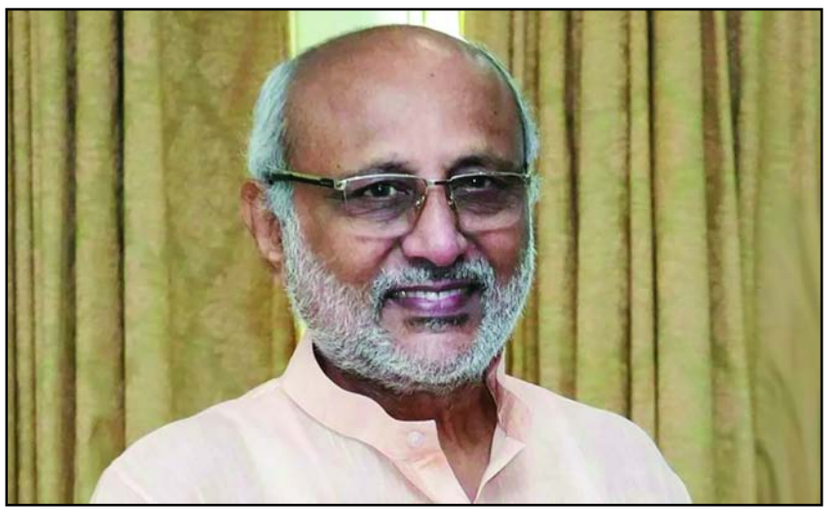

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी।

भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे।

सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्तूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए।

राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि बार-बार कुशल प्रश्न करके विश्वामित्रजी ने राजा को बैठाया। उसी समय दोनों भाई आ पहुँचे, जो फुलवाड़ी देखने गए थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

स्याम गौर मृदु बयस किसोरा। लोचन सुखद बिस्व चित चोरा॥
उठे सकल जब रघुपति आए। बिस्वामित्र निकट बैठाए॥

सुकुमार किशोर अवस्था वाले श्याम और गौर वर्ण के दोनों कुमार नेत्रों को सुख देने वाले और सारे विश्व के चित्त को चुराने वाले हैं। जब रघुनाथजी आए तब सभी (उनके रूप एवं तेज से प्रभावित होकर) उठकर खड़े हो गए। विश्वामित्रजी ने उनको अपने पास बैठा लिया॥

भए सब सुखी देखि दोउ भ्राता। बारि बिलोचन पुलकित गाता॥
मूरति मधुर मनोहर देखी भयउ बिदेहु बिदेहु बिसेषी॥

दोनों भाइयों को देखकर सभी सुखी हुए। सबके नेत्रों में जल भर आया (आनंद और प्रेम के आँसू उमड़ पड़े) और शरीर रोमांचित हो उठे। रामजी की मधुर मनोहर मूर्ति को देखकर विदेह (जनक) विशेष रूप से विदेह (देह की सुध-बुध से रहित) हो गए॥

दो0-प्रेम मगन मनु जानि नृपु करि बिबेकु धरि धीर।
बोलेउ मुनि पद नाइ सिरु गदगद गिरा गभीर॥

मन को प्रेम में मग्न जान राजा जनक ने विवेक का आश्रय लेकर धीरज धारण किया और मुनि के चरणों में सिर नवाकर गद्गद् (प्रेमभरी) गंभीर वाणी से कहा-॥

(क्रमशः...)

क्यों हुई बाढ़ से इतनी तबाही?

देश के अनेक राज्य पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश समेत देश के कई इलाके भारी बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे हैं। इस बार पंजाब और हिमाचल में आई बाढ़ ने इन्हें आर्थिक तौर पर काफी पीछे धकेल दिया है। इसे पिछले कई सालों की सबसे भीषण बाढ़ माना जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि अब तक सैंकड़ों गांव पानी में डूब चुके हैं, लाखों लोग बेघर हो गए हैं और हजारों एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। सडक़ों, पुलों और घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। यह राष्ट्रीय आपदा से कम नहीं है। भारत में बाढ़, एक बार-बार आने वाली घटना रही है और इससे जान-माल, आजीविका प्रणालियों, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक उपयोगिताओं को भारी नुकसान होता है। भारत की उच्च जोखिम संवेदनशीलता इस तथ्य से उजागर होती है कि 3290 लाख हेक्टेयर के भौगोलिक क्षेत्र में से 40 मिलियन हेक्टेयर बाढ़ की चपेट में है, जो कि 12 फीसदी है। राज्यवार अध्ययन से पता चलता है कि देश में बाढ़ से होने वाली क्षति का लगभग 27 प्रतिशत बिहार में, 33 फीसदी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में और 15 फीसदी पंजाब और हरियाणा में होता है। हिमाचल प्रदेश में भी इस बार बाढ़ और बारिश ने भारी नुकसान किया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, मानव जीवन और उद्योगों को क्षति पहुंची है। सेब उद्योग के अलावा होटल और पर्यटन उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 4 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ के दौरान पानी में बहते लकड़ी के लट्ठों के वीडियो का संज्ञान लेते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि हिमालयी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई हो रही है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की खंडपीठ ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा, 'हमने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। मीडिया रिपोर्ट्स से यह भी सामने आया कि बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे बहते हुए दिखे। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि पहाड़ों में अवैध पेड़ कटाई हो रही है।'

पिछले दो महीनों में मौसम से जुड़ी घटनाओं में देश के अलग-अलग हिस्सों में अनेक लोगों की मौत हुई है और कई लापता हैं। इस तबाही का क्या कारण है? विश्लेषकों के मुताबिक हीट वेव और मानसून के पैटर्न में हो रहे बदलाव का कारण पृथ्वी का गर्म होना है। इन एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स और जलवायु परिवर्तन में सीधा संबंध है। अभी मौसम की वजह से जो आपदाएं आ रही हैं, ये सीधे तौर पर जलवायु परिवर्तन का असर है। 1950 से 2015 के बीच मध्य भारत में एक दिन में 150 मिलीमीटर से अधिक वर्षा की घटनाएं 75 फीसदी तक बढ़ गई हैं। साथ ही, शुष्क अवधि भी पहले से अधिक लंबी हो रही है। इन प्राकृतिक आपदाओं का असर लोगों के जीवन और कारोबार पर भी पड़ रहा है। भूस्खलन की वजह से फसलों को नुकसान हुआ है। सडक़ें और पुल बह जाने से कई इलाकों में आवागमन ठप हो गया है। पिछले डेढ़ दशक में तापमान में निरंतर वृद्धि देखी गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक भीषण गर्मी पहले भी पड़ती थी और भारी बारिश भी होती थी, लेकिन पिछले कुछ सालों से इसकी इंटेंसिटी और फ्रीक्वेंसी दोनों बढ़ी हैं। खासकर हीट वेव के मामले में। इससे एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स की फ्रीक्वेंसी और इंटेंसिटी बढ़ रही है। इसका सीधा संबंध ग्लोबल वॉर्मिंग से है। अगर तापमान एक डिग्री बढ़ता है तो वायुमंडल की नमी और भाप को रखने की क्षमता 7 प्रतिशत बढ़ जाती है। इस वजह से बड़े क्लाउड बनते हैं जो ज्यादा बारिश और बिजली का कारण बनते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण वायुमंडल में बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड और दूसरी ग्रीन हाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को माना जाता है। कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा, जो मुख्यतः फॉसिल फ्यूल के जलने से निकलती है, हमारे वातावरण में नमी बढ़ाती है जिससे मानसून और बारिश के पैटर्न प्रभावित हो रहे हैं।

मानसून में पहले भी भारी बारिश होती थी। लेकिन पहले मानसून के दौरान बारिश की अवधि लंबी होती थी। अब तीव्र और कम अवधि की बारिश होती है जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। ग्लोबल और रीजनल टेम्परेचर दोनों बढ़ रहे हैं और भारत हीट वेव के लिए एक अच्छा उदाहरण है। बदल रहे मौसम की मार आज भारत के लोगों पर पड़ रही है। घनी आबादी वाले शहरों में अब कुछ घंटे की बारिश के बाद ही जलभराव की स्थिति बन जाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसकी बड़ी वजह हरे-भरे जंगलों और खाली जमीन की जगह कंक्रीट की इमारतों का कब्जा है। शहरी विकास ने ग्रीन स्पेस कम कर दिया है। नतीजा यह हुआ कि बारिश का पानी जमीन में सही से समा नहीं पाता और फ्लडिंग जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। इसके साथ ही जमा पानी के निकास की कारगर व्यवस्था न होने के कारण ज्यादा नुकसान हो रहा है। प्रकृति और पर्यावरण की अनदेखी के गंभीर नतीजे पहाड़ों में और स्पष्ट दिखाई देते हैं। अंधाधुंध विकास ने प्राकृतिक जल स्रोतों को निगल लिया है। शहरों में मौजूद झीलें और वॉटर बॉडी अब इमारतों में बदल गई हैं। ऐसे में कुछ घंटों की बारिश से ही सडक़ें तालाब जैसी दिखने लगती हैं और शहर ठप हो जाते हैं। हाइड्रोइलेक्ट्रिक और रोड डेवलपमेंट की वजह से ढलानों की स्थिरता (स्लोप स्टेबिलिटी) बिगड़ रही है, जो भूस्खलन का बड़ा कारण है। भूकंप जैसी प्राकृतिक घटनाएं पहले से ही पर्वतीय स्थिरता को चुनौती देती हैं, और मानव गतिविधियों ने इस जोखिम को और बढ़ा दिया है।

सोचना यह चाहिए कि हम ऐसा विकास किस कीमत पर कर रहे हैं। कुल मिला कर बाढ़ सिर्फ प्राकृतिक कारणों से नहीं आती, बल्कि इनसानी गलतियां इसे और खतरनाक बना देती हैं। यदि नालों और नहरों की सफाई ठीक से नहीं हो, नदियों में सिल्ट जमी रहे, जिससे पानी का बहाव रुक जाए, कई तटबंध और बांध जर्जर हालत में हों और समय पर उनकी मरम्मत नहीं हुई हो, तो नुकसान क्यों नहीं होगा। इसके अलावा अवैध खनन, जंगलों की कटाई और नदी किनारे अनियंत्रित निर्माण भी बाढ़ का खतरा बढ़ाते हैं। काफी जगह जल निकासी की व्यवस्था कमजोर है, जिसकी वजह से पानी दिनों तक भरा रहता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेड़ों की कटाई सीधे तौर पर बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं को बढ़ा रही है। पर्यावरण के प्रति हमारी संवेदना क्यों खत्म होती जा रही है? इसी कारण तबाही हो रही है व्यापारिक फायदों से प्रभावित प्रशासनिक नीतियों के कारण। कुदरत पेड़-पौधों की सुरक्षा में समर्थ नहीं हो रही है।

डा. वरिंद्र भाटिया

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष चतुर्थी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आप में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। काम करने की क्षमता रहेगी। प्रेम का साथ होगा। संतान आपकी आज्ञा का पालन करेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
खर्च की अधिकता। किसी न किसी बात को लेकर मन चिंतित रहेगा। भले ही अनायास चिंता हो। प्रेम,संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
इनकम का घर मजबूत बना हुआ है। कुछ नए सोर्स बनेंगे, रुपए-पैसे आने के। पुराने सोर्स काम करते रहेंगे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य में सुधार हो गया है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सिंह राशि की स्थिति अच्छी है। परिस्थितियां आपकी अनुकूल होती जा रही हैं। भाग्यवश काम संवरने के संकेत हैं।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रु उपद्रव करने की कोशिश करेंगे, लेकिन शत्रु शमन भी संभव है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भावुकता पर काबू रखें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए, कवियों के लिए, लेखकों के लिए अच्छा समय।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
गृहकलह के संकेत हैं लेकिन भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग हैं। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अच्छा

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। निकटता होने के बाद भी दूरी का अहसास होगा।

भाजपा की बैठक में कार्यक्रमों को लेकर मंथन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की एक कार्यशाला बैठक आगामी कार्यक्रमों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा स्नातक चुनाव ,शिक्षक चुनाव, पंचायत चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर आयोजित की गई कार्यशाला में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद डॉक्टर महेश शर्मा रहे कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी ने किया।

मुख्य अतिथि सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा के तहत 17 सितंबर से गांधी जयंती पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तक सेवा के कार्यों को समर्पित करते हुए ग़रीब बस्तियों में स्वच्छता अभियान ,रक्त दान शिविर स्वास्थ्य शिविर हॉस्पिटल में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम नगर बूथ के घर घर तक पहुंचकर सेवा के कार्य करेंगे और स्नातक एम एल सी चुनाव और शिक्षक एम एल सी चुनाव और पंचायत चुनाव की तैयारी को लेकर वोट बनवाने के कार्य में भी जुट कर काम करेंगे।

दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन सेवा पखवाड़े पर जानता के बीच जाकर सेवा के कार्य करेंगे और जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि भाजपा संगठन के सभी अभियानों के कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिये संगठन के कार्यकर्ताओं के सहयोग से मिलकर पूरा करेंगे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी पूर्व जिला अध्यक्ष विजय भाटी नगरपालिका अध्यक्ष गीता पंडित सुभाष भाटी देवा भाटी जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज मनोज गर्ग धर्मेन्द्र कोरी इन्द्र नागर राहुल पंडित सतेन्द्र नागर सत्यपाल शर्मा कर्मवीर आर्य रवि जिन्दल पंकज रावल मनोज भाटी संजय भाटी महेन्द्र नागर राजीव सिंघल धीर राणा आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनायें : मनमीत कौर

एमिटी विवि. में पर्पल फेयर-2025 का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, आर्थिक समावेशन और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ रिहेबिलिटेशन साइंसेस द्वारा भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के सहयोग से ''हुनर से आत्मनिर्भरता तक - दिव्य जन, दिव्य आशा'' विषय पर पर्पल फेयर 2025 का आयोजन किया गया।

पर्पल फेयर 2025 में दिव्यांगजनों, दिव्यांगजनों के लिए कार्य करे उद्यमियों, गैर-सरकारी संगठनों, दिव्यांगजन शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग प्रतिनिधियों जैसे सक्षम रिसोंस सेंटर, होली हार्ट स्पेशल स्कूल, यस वी कैन ट्रस्ट, हिगाशी ऑटिजम स्कूल आदि ने कुल 16 स्टॉल लगाये और अपने उत्पादों की ब्रिकी की। इस कार्यक्रम में कुल 130 से अधिक विशेष बच्चों सहित उनके अभिभावकों, उद्यमियों, संस्थानों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की अतिरिक्त सचिव सुश्री मनमीत कौर नंदा ने कहा कि आज हम एक ऐसा उत्सव मना रहे है जो दिव्यांगजनों या विशेष बच्चों की क्षमता को दर्शाता है कि जीवन में वो किसी से कम नही है। उन्हे आपकी सहानुभूति नही चाहिए बल्कि समानुभूति चाहिए। उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में समान अवसर प्रदान करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए की गई इस पहल में सभी का योगदान आवश्यक है।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चासंलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि यह कार्यक्रम एक सामूहिक आंदोलन है जिसमें विशेष बच्चों, अकादमिकों, उद्यमियों, एनजीओ सभी जुड़े है। पर्पल फेयर ने दिव्यांगता को आत्मनिर्भरता में परिवर्तीत किया है।

भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक कुमार राजू ने कहा कि इस कार्यक्रम के जरीए हम दिव्यांगजनों के दृष्टिकोण का उत्सव मना रहे है जो हमारे सामूहिक प्रयासो का प्रतीक है। देश में 50 से 60 लाख लोगों श्रवण बाधिक है जो कि सुनने में असक्षम है इसलिए बोल भी नही पाते जिससे जनसंचार बाधा उत्पन्न होती है और भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा इस समस्या का निवारण के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।

धरने को समर्थन का ऐलान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी तहसील के प्रांगण में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है जिसमें किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपवास के नेतृत्व में एक ज्ञापन दादरी तहसील में दादरी तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महिपाल भाटी को सौंपा जिसमें किसान नेता राजकुमार रूपवास ने कहा कि हमारा संगठन आपके साथ है किसी भी कीमत पर रजिस्टार ऑफिस को यहां से जाने नहीं देंगे जब तक कोई भी ठोस आश्वासन नहीं मिलता है संघर्ष जारी रहेगा अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

ज्ञापन देने के दौरान अशोक भाटी पाली प्रदेश सचिव मनोज भाटी पाली एनसीआर अध्यक्ष सरोज भाटी महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष आशु बबलू गुर्जर नोएडा महानगर अध्यक्ष सुमित राकेश बेसोया पुष्पा भाटी जयंती प्रसाद मटरू अभिषेक राजपाल महिपाल भाटी सचिन राजेश भाटी महेंद्र भाटी बृजपाल भाटी विनोद नागर अनिल भाटी जितेंद्र नागर बीपी शर्मा अमरीश संदीप शर्मा विजेंद्र शर्मा जगेश कुमार सतवीर नागर राव योगेश भाटीआदि मौजूद थे।

किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा ने बाढ़ पीड़ितों को किया राशन वितरण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर के नेतृत्व में बाढ से प्रभावित लोगो को ग्रेटर नोएडा मे राहत सामग्री राशन वितरण किया।

सगठन के ग्रेटर नोएडा अध्यक्ष उमेश राणा ने बताया की सगठन ने लगातार बेसहारा लोगों की मदद करता रहता है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा विकास प्रधान ने बाढ से प्रभावित लोगो को खाने का सामान उपलब्ध कराने के लिये कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया है। आज सैकडों लोगों को पांच किलो राशन जिसमे दाल चावल आटा आलू तेल एवं मसाले शामिल है। बाढ़ प्रभावित लोगो ने सगठन का धन्यवाद किया और कहा की बाढ़ का पानी कम हो रहा अब धीरे-धीरे जनजीवन पटरी पर लोट रहा है।

इस मौके पर कृष्ण नागर उमेश राणा ग्रेटर नोएडा अध्यक्ष उत्तम शर्मा पिंटू कुमार कृष्णपाल सिंह जितेंद्र यादव प्रेम कुमार उद्धव चिराग राणा विकास महेंद्र धर्मेंद्र देश वीर जोगिंदर आदि लोग मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

काशी से भारत-मॉरीशस...

अवसंरचना और नीली अर्थव्यवस्था जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना. दूसरा- पारंपरिक क्षेत्र, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में आपसी सहयोग को और मजबूत करना है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत और मॉरीशस के बीच कई मुददों पर बातचीत हुई है। मॉरीशस के विकास में भारत का सहयोगी होना गर्व की बात है। दोनों देशों के बीच कई अहम समझौते हुए हैं जो मॉरीशस में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कारगर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि मॉरीशस में पहला जनऔषधि केन्द्र खुल चुका है। अब भारत सरकार मॉरीशस में आयुष सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एनिमल हॉस्पिटल तथा हाईवे के विस्तार में भारत सहयोग करेगा। साथ ही मॉरीशस में सोलर प्लांट के निर्माण में भी सहयोग किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि मॉरीशस को 100 इलेक्ट्रानिक बसें भी दी जा रही हैं।

नोएडा में हादसा, कीया ...

गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर थाना सेक्टर-142 पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जबकि फायर कर्मियों ने कार में लगी आग को बूझाकर उसे क्रेन की मदद से बाहर निकाला। इस हादसे में घायल हुए एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि महेंद्र सिंह निवासी दनकौर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कीया कार के चालक को हिरासत में ले लिया है।

पूर्णिया स्पेशल ट्रेन की...

अधिकारी सहित एफएस साहिबाबाद से तत्काल 2 फायर टेंडर यूनिट घटना स्थल के लिए रवाना की गई। घटना स्थल पहुंच कर देखा कि आग ट्रेन के पीछे के हिस्से में बने सामान से भरे डब्बे में थी। फायर यूनिट ने तत्काल पूरे सामान को बाहर निकालकर फायर फाइटिंग करना शुरू किया। फायर सर्विस के कर्मचारियों के द्वारा कड़ी मशक्क़त कर आग पर क़ाबू पाया और ट्रेन के बाक़ी डब्बों में आग को पहुंचने से पहले आग पर काबू किया। ट्रेन नंबर-05580 यह ट्रेन गरीब रथ (पूर्णिया आंनद विहार एक्सप्रेस) थी जो आनंद विहार से पूर्णिया जा रही थी।

चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया की ट्रेन में आग लगने के बाद सूचना मिलते ही फायर स्टेशन से दो गाड़ियां मौके पहुंची और आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

नेपाल हिंसा में ...

इसी दौरान उपद्रवियों ने फिर से हमला बोल दिया। इसमें दंपत्ती बिछड़ गए थे। बुधवार को नेपाल से रामवीर सिंह के बेटे विशाल के पास फोन आया कि उनकी मां राजेश देवी की उपचार के दौरान मौत हो गई। बवाल की चपेट में आए रामवीर सिंह गोला दो दिन बाद घायलावस्था में राहत कैंप में मिले है। राजेश गोला का शव गाजियाबाद स्थित मास्टर कॉलोनी उनके निवास पर लाया जाएगा।

तीनों प्राधिकरणों में लागू...

इससे बड़ी इंडस्ट्री को काफी फायदा होगा। इसी तरह फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) को भी आसान बनाया जा रहा है। वर्तमान में उद्योग के लिए 0.6 से 2.0, ग्रुप हाउसिंग में 2.75 से 3.5, संस्थागत में 0.8 से 2.75 और वाणिज्यिक 1.2 से 4 की सीमा है। एक समान बॉयलॉज के तहत उद्योग को 2.5 से 3, ग्रुप हाउसिंग को 3.5, संस्थागत को 1.2 से 3 और कामर्शियल को 1.5 से 4 तक एफएआर की अनुमति होगी। इससे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अधिक निर्माण संभव होगा और परियोजनाओं की लागत व्यवहारिक बनेगी।

सेटबैक यानी भवन और भूखंड सीमा के बीच की दूरी को भी सरल किया गया है। जहां पहले बड़े प्लॉट्स में 16 मीटर तक का सेटबैक जरूरी था, वहीं नई व्यवस्था में इसे 3 से 9 मीटर तक सीमित कर दिया गया है। इससे उपयोग योग्य क्षेत्र बढ़ेगा।

पार्किंग नियमों में भी बड़ी राहत दी गई है। पहले औद्योगिक परियोजनाओं में हर 100 वर्गमीटर पर एक कार पार्किंग जरूरी थी, कामर्शियल में 30 से 100 वर्गमीटर एक कार की पार्किंग और संस्थागत में 22 से 100 वर्गमीटर पर एक कार पार्किंग चाहिए थी। अब इसे ढील देकर उद्योग में 300 वर्गमीटर पर, ग्रुप हाउसिंग के लिए प्रति फ्लैट 1से 1.5 ईसीएस, संस्थागत में 85 से 200 वर्गमीटर पर और कामर्शियल परियोजनाओं में 50 से 500 वर्गमीटर पर एक पार्किंग स्थान अनिवार्य किया गया है।

सोसायटी के केयरटेकर...

पवन कुमार नामक व्यक्ति को रखा हुआ है। 6 सितंबर को पाली गांव निवासी विजेंद्र भाटी उसकी सोसायटी पर आया और केयरटेकर पवन कुमार के साथ गाली गलौज करने लगा। उसके बेटे अशोक कुमार ने विजेंद्र से गाली गलौज करने का कारण पूछा तो उसने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति इस सोसायटी की तरफ आया तो वह उसे जान से मार देगा। पुलिस का कहना है कि धर्मवीर सिंह की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

एचआईएमटी कॉलेज...

उसके भाई सचिन के साथ झगड़ा शुरू कर दिया। आवाज सुनकर वह घर से बाहर आया और बीच बचाव का प्रयास किया तो निखिल और निहाल ने उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट की और ईंट मारकर उसका सर फोड़ दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

लापता हुई...

तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़िता की शिकायत पर थाना फेस-3 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-8 स्थित जेजे कॉलोनी से (12 वर्षीय) लड़की घर से बिना बताए चली गई। किशोरी के पिता ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 9 सितंबर को उनकी बेटी के लापता होने पर उन्होंने उसकी खोजबीन की। इस दौरान उन्हें पता चला कि पड़ोस में रहने वाला अजय उनकी बेटी को अपने साथ ले गया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और लापता किशोरियों की तलाश की जा रही है।

चोरी की बाइक के...

आरोपी हाल में ग्राम गढ़ी शहदरा में रह रहा है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह बाइक 5 सितंबर की रात्रि को परी चौक मेट्रो स्टेशन के नीचे से चोरी की थी। आरोपी का कहना है कि वह मजदूरी करता है तथा आने-जाने के लिए कोई वाहन न होने के कारण उसने यह बाइक चोरी की थी। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

सुप्रीम कंपनी के...

पुलिस टीम को लेकर मनीष जिंदल ने दुकान पर पहुंच कर पड़ताल की। इस दौरान पता चला कि दुकान पर सुप्रीम कंपनी के नकली सीपीवीसी पाइप बेचे जा रहे हैं। जांच के दौरान पुलिस टीम को दुकान से सुप्रीम कंपनी के नकली सीपीवीसी पाइप मिले। पुलिस ने नकली पाइप को जप्त कर दुकानदार प्रवेश शर्मा के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पिस्टल व कारतूस...

पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम गौरव पुत्र इंद्रजीत निवासी ग्राम मुंहफाड़ दनकौर बताया। गौरव ने बताया कि वह गांव में लोगों पर रोब जमाने के लिए अपने साथ पिस्टल रखता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है

हथियारों से लैस दबंगों ने किया घर पर जानलेवा हमला, मारपीट कर सामान उठा ले गए

पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर, पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इकोटेक-3 थाना क्षेत्र के तहत कुलेसरा में कुछ दबंगों द्वारा एक परिवार पर जानलेवा हमला करने तथा भूखंड पर अवैध कब्जा तथा मारपीट व सामान ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। अभी तक पुलिस ने मामले की एफआईआर तक दर्ज नहीं की।

पुलिस आयुक्त को लिखे शिकायती पत्र में पीड़ित हरेन्द्र पुत्र कुशेश्वर सिंह निवासी कुलेसरा ने मांग की है कि दबंग हमलावरों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाए तथा उनको गिरफ्तार करके कड़ी सजा दी जाए।

शिकायती पत्र में पीड़ित हरेन्द्र ने आरोप लगाया है कि प्रार्थी ने 8 सितंबर को राकेश कुमार कौशिक पुत्र रामचरन कौशिक से 100 वर्ग गज के आवासीय भूखंड की रजिस्ट्री कराई। राकेश कुमार का उक्त भूखंड पर वर्ष-2007 से मालिकाना कब्जा है। 8 सितंबर को ही रात करीब 8-9 बजे कुलेसरा के ही जोधराज, मंजीत, जयचंद पुत्रगण स्व. खेमचंद व निशांत पुत्र जोधराज, धर्मवीर, जयवीर पुत्रगण भगवत तथा बल्ले आदि ने उसके उक्त प्लाट की चारदीवारी तोड़ दी तथा वहां रखा सामान मसलन लकड़ी के दरवाजे, चौखट, लकड़ी काटने की मशीन उठाकर ले गए। इसके पूर्व सभी आरोपियों ने हथियारों से लैस होकर उनके घर पर जानलेवा हमला कर मारपीट की तथा मेरी पत्नी की सोने की चेन भी खींचकर ले गए। जाते समय उन्होंने धमकी दी कि उक्त प्लाट को छोड़ दो वर्ना पूरे परिवार को जान से मार दूंगा। उन्होंने 9 सितंबर को थाना ईकोटेक-3 में घटना की लिखित तहरीर दी। 10 सिंतबर को थाना प्रभारी ने उन्हें थाने में बुलाया। जब प्रार्थी थाने पर गया तो उक्त आरोपी अपने 15-20 लोगों के साथ वहां पहले से ही मौजूद थे तथा उन्होंने प्राथी को जान से मारने की धमकी दी तथा मारपीट का प्रयास किया। किसी तरह वह वहां से जान बचाकर भागा। पीड़ित का आरोप है कि अभी तक पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं की है जिससे वे तथाउसका परिवार भयभीत है।

उन्होंने पुलिस आयुक्त से गुहार लगाई है कि आरोपी दबंग किस्म के हैं। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

स्टेशन पर पॉकेटमार ने निकाला मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के इलेक्ट्रॉनिक सिटी नोएडा मेट्रो स्टेशन पर पॉकेटमार ने एक व्यक्ति की जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। हापुड़ निवासी करण कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 11 जुलाई को बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन जाने के लिए उसने इलेक्ट्रॉनिक सिटी नोएडा से मेट्रो ली थी। शाम के समय प्लेटफार्म पर काफी भीड़ थी। भीड़ का फायदा उठाते हुए किसी पॉकेटमार ने मेट्रो ट्रेन में चढ़ते समय उसकी जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। मोबाइल फोन गायब होने का एहसास होने पर उसने अपने फोन की मेट्रो स्टेशन पर काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। उसने इसकी सूचना मेट्रो स्टेशन पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को भी दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। बता दे कि शहर के मेट्रो स्टेशनो पर आए दिन मोबाइल व पर्स चोरी होने की घटनाएं हो रही है। मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद भी इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रही हैं।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

नेपाल में फंसे 700 राजस्थानी

प्रदेश सरकार ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

जयपुर। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भयंकर स्थिति बनी हुई है। नेपाल में युवाओं द्वारा पूरे देश में उत्पात मचा रखा है और संसद से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक को आग के हवाले कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ हुए प्रदर्शन के बाद पूरा नेपाल जल रहा है। ऐसे में यहां दूसरे देश से आए लोग भी फंस गए हैं। यहां सारी सुविधाएं ठप पड़ी है।

नेपाल में भारत के काफी लोग रहते हैं, जबकि पर्यटक के तौर पर भी नेपाल जाते हैं। ऐसे में काफी संख्या में भारतीय लोग नेपाल में फंसे हुए हैं। इसमें राजस्थान के लोग भी शामिल हैं। नेपाल में फंसे राजस्थानी लोग और अन्य भारतीय लोगों की मदद के लिए राजस्थान सरकार की ओर से हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। सीएम भजनलाल शर्मा ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास में बात कर मौजूदा हालात की जानकारी ली।

पुलिस मुख्यालय में विशेष सेल स्थापित

मुख्यमंत्री ने नेपाल हिंसा को हृदय विदारक बताते हुए कहा है कि वहां उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए राज्य सरकार वहां रह रहे राजस्थानी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। उन्होंने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क कर मौजूदा हालात की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नेपाल में फंसे भारतीयों की मदद के लिए राजस्थान पुलिस मुख्यालय में विशेष सेल स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।

विधायक डॉ. ऋतु भी फंसीं

नेपाल में राजस्थान की एक विधायक फंस गई हैं। विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने बताया कि डॉ. ऋतु बनावत नेपाल गई थीं और वे वहां हिंसा के बीच फंस गई हैं। ऋतु बनावत भरतपुर की बयाना-रूपवास सीट से विधायक हैं। देवनानी ने बताया कि नेपाल के काठमांडू में कई विधानसभा क्षेत्रों के लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि काठमांडू में उदयपुर ग्रामीण, निवाई के साथ ही कई विधानसभा क्षेत्रों से कुछ लोग नेपाल गए थे। वे वर्तमान स्थिति में फंस गए हैं।

भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार प्रत्येक देशवासी की सुरक्षा तथा सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने नेपाल में रह रहे सभी प्रवासी राजस्थानियों से अपील की कि काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के लगातार संपर्क में बने रहें और भारत सरकार द्वारा जारी की जा रही एडवाइजरी का पालन अवश्य करें। नेपाल में फंसे भारतीयों की मदद के लिए राजस्थान पुलिस ने पहल की है। लगभग 700 लोग राजस्थान से फ़ंसे है हालाकि यह आंकड़ा बढ़ सकता है।

24x7 हेल्पलाइन नंबर

नेपाल में रह रहे भारतीय मदद के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, कानून-व्यवस्था कार्यालय में स्थापित विशेष सेल में 24x7 हेल्पलाइन नम्बर 0141-2740832 तथा 0141-2741807 पर सम्पर्क कर सकते हैं। व्हाट्सएप नंबर 9784942702 पर भी मदद के लिए सम्पर्क किया जा सकता है।

नेपाल में फंसे बाड़मेर के कारोबारी ने बताए हालात

डर और दहशत के माहौल के बीच चितारा ने जागरूक टाइम्स से मोबाइल पर बात की। चितारा फिलहाल काठमांडू के एक होटल में है उन्होंने भारत सरकार से सुरक्षित लाने की मांग की है। चितारा ने बताया- 22 अगस्त को कैलाश- मानसरोवर के लिए रवाना हुआ था बाड़मेर से मैं अकेला था, जबकि साथ में देश के दूसरे हिस्सों से करीब 50 यात्रियों का दल भी है 24 अगस्त को मानसरोवर यात्रा पर पहुंचे। वहां से चाइना तिब्बत होते हुए नेपाल पहुंचे सभी को यात्रा पूरी करने की खुशी थी, लेकिन 8 सितंबर को चाइना बॉर्डर क्रॉस करके शाम 7 बजे तक काठमांडू पहुंचे तो खुशी की बजाय माहौल डर में बदल गया दिल्ली रवाना होने के लिए एयरपोर्ट पर पहुंचे इमिग्रेशन तक हो चुका था, लेकिन अचानक एयरपोर्ट प्रशासन ने फ्लाइट रद्द कर दी। लगातार गाड़ियों में सेना के जवान फ्लैग मार्च कर रहे है जीपें घूम रही है। उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का ऑर्डर है होटल की छत से दूसरी इमारतों में लगे धुएं को देखा जा सकता है। आसपास पूरा मार्केट बंद है लोकल लोगों में डर नहीं है, लेकिन जो टूरिस्ट है, वह दहशत में है। लूटपाट होने का डर है।

राजस्थान में रिकॉर्ड बारिश

एक जून से अब तक 693 मिमी से ज्यादा पानी बरसा

108 साल में दूसरी बार सबसे ज्यादा बरसात

जयपुर। राजस्थान में इस मानसून सीजन में 108 साल में दूसरी सबसे ज्यादा बारिश हुई है। साल 1917 के मानसून सीजन में कुल 844.2 एमएम बरसात हुई थी जो कि सामान्य से 94 फीसदी अधिक थी। वहीं इस साल 2025 के मानसून सीजन में 1 जून से 8 सितम्बर तक 693.1 एमएम बरसात हो चुकी है। जबकि अभी मानसून विदा नहीं हुआ है और ऐसे में यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। फिलहाल ये आंकड़ा सामान्य बारिश की तुलना में 59 फीसदी ज्यादा है। पिछले मानसून सीजन 2024 में 678.4 एमएम बारिश हुई थी जो कि सामान्य से 56 फीसदी अधिक थी। ऐसे में इस बार भी प्रदेश में मानसून जमकर मेहरबान रहा।

63 फीसदी बांध लबालब

- इस सीजन में अब तक 63 फीसदी से ज्यादा बांध ओवर-फ्लो हो चुके हैं। राजस्थान में छोटे-बड़े 693 बांधों में से 437 बांध फुल हो चुके हैं जबकि 164 बांध ऐसे हैं, जो 25 से लेकर 90 फीसदी तक भरे हैं। बीसलपुर बांध से 24 जुलाई से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है जोकि अभी तक जारी है।

इस बार जुलाई में सबसे ज्यादा बरसात

- इस मानसून के सीजन में पिछले तीन माह में सबसे ज्यादा बरसात जुलाई के महीने में हुई। जून के महीने में 125.3 एमएम, जुलाई में 290 एमएम और अगस्त में 184 एमएम बरसात दर्ज हुई। जबकि 1 सितम्बर से 8 सितंबर तक 94 एमएम बरसात हो चुकी है।

बारिश थमी, तीखी धूप-गर्मी ने सताया

- राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में अब बारिश का दौर लगभग थम सा गया है। मंगलवार को छिटपुट जगहों को छोड़कर कहीं भी बारिश नहीं हुई। इसके चलते धूप में तल्खी रही और गर्मी का असर फिर से काफी बढ़ गया है। जयपुर में भी दिन भर मौसम साफ रहा और तेज धूप खिली रही। इसके असर से तापमान भी बढ़ गया और गर्मी का असर भी। इस बीच अधिकांश जिलों में दिन का तापमान 33 डिग्री या उसके आसपास दर्ज किया गया। जयपुर में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री दर्ज किया गया।

विधानसभा में अतिरिक्त कैमरों पर बवाल

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र बुधवार को जोरदार हंगामे और कांग्रेस विधायकों के वॉकआउट के बीच समाप्त हुआ। कांग्रेस ने सरकार पर सदन में अतिरिक्त कैमरे लगाकर विपक्ष की "जासूसी" करने का आरोप लगाया। स्पीकर द्वारा यह स्पष्ट करने के बावजूद कि कैमरे केवल वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए हैं और उनमें ऑडियो सिस्टम नहीं है, कांग्रेस विधायक संतुष्ट नहीं हुए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि अतिरिक्त कैमरे विपक्ष की निगरानी के लिए लगाए गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इन कैमरों का एक्सेस किसके पास है और सदन स्थगित होने के बाद भी ये कैमरे क्यों चालू रहते हैं।

आईआईटी जोधपुर ने बनाया हिंदी मॉडल

जोधपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर ने शिक्षा को लेकर एक बड़ा प्रयोग शुरू किया है, जिसकी पूरे देश में चर्चा हो रही है। संस्थान ने एक नया "हिंदी मॉडल" तैयार किया है, जिसके तहत प्रथम वर्ष के छात्रों को इंजीनियरिंग की पढ़ाई मातृभाषा हिंदी में कराई जा रही है। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भाषा शिक्षा में बाधा न बने, बल्कि उसे आसान बनाए। आईआईटी जोधपुर के निदेशक डॉ. अविनाश कुमार अग्रवाल ने बताया कि आईआईटी में दाखिला लेने वाले कई छात्र हिंदी माध्यम से पढ़ाई करके आते हैं। ऐसे छात्रों को अंग्रेजी आधारित शिक्षा प्रणाली में क्लास समझने, नोट्स बनाने और लैब में काम करने में कठिनाई होती है।

हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को मिलेगा बड़ा सहारा

अंग्रेजी पर भी ध्यान

इस मॉडल के तहत छात्रों को इंजीनियरिंग विषय हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी में भी पढ़ाए जाते हैं। साथ ही, उनकी अंग्रेजी भाषा को मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

पूरे देश में लागू होगी योजना

इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की तैयारी की जा रही है। सभी आईआईटी की बैठक में इस मॉडल को सराहा गया है। योजना है कि भारत के 23 आईआईटी में छात्रों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाई का अवसर दिया जाए।

उद्धव ने फिर की राज ठाकरे से मुलाकात

गठबंधन की चर्चा के बीच अहम बैठक

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात की। बुधवार (10 सितंबर) को उद्धव ठाकरे अपने चचेरे भाई राज ठाकरे से मिलने उनके आवास शिवतीर्थ पर पहुंचे। उद्धव ठाकरे के साथ उनके भरोसेमंद संजय राउत और अनिल परब साथ थे। सूत्रों के मुताबिक, दशहरा के दिन स्थिति साफ हो जाएगी कि उद्धव और राज साथ में बीएमसी चुनाव लड़ेंगे या नहीं। उद्धव और राज ठाकरे के बीच करीब दो घंटे तक बैठक चली। ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिनों पहले कांग्रेस के नेताओं ने उद्धव ठाकरे से मिलकर राज ठाकरे के साथ आने को लेकर स्थिति पूछी थी।

त्रिभाषा नीति के विरोध में हुए एक

- दोनों ने 5 जुलाई को सरकार की त्रिभाषा नीति के खिलाफ मुंबई में अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए एक मंच साझा किया था। महाराष्ट्र सरकार ने मराठी भाषी बहुल राज्य में हिंदी थोपने के आरोपों के बीच त्रि-भाषा फॉर्मूले पर अपने आदेश को वापस ले लिया था। इसके बाद जुलाई के अंत में राज ने उद्धव ठाकरे को उनके जन्मदिन की शुभकामना देने के लिए उपनगरीय बांद्रा स्थित उनके आवास 'मातोश्री' का दौरा किया था।

जनता का ध्यान विकास के मुद्दों पर : साटम

- इस बैठक के बारे में पूछे जाने पर भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख और विधायक अमीत साटम ने कहा कि जनता का ध्यान राजनीतिक नेताओं के बीच पारिवारिक बैठकों की जगह विकास के मुद्दों पर है। साटम ने कहा, 'यह इस बारे में नहीं है कि कौन किससे मिल रहा है और उनके पारिवारिक रिश्ते कैसे हैं, बल्कि यह इस बारे में है कि अटल सेतु, कोस्टल रोड, वर्ली और आसपास के इलाकों में बीडीडी चॉल का पुनर्विकास किसने करवाया।

समृद्धि एक्सप्रेसवे पर साजिश

पुणे। समृद्धि एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के कीलें ठोंक दी गईं। इससे कम से कम तीन कारों के टायर पंक्चर हो गए। कीलें ठोंकने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि वाहन चालकों ने रात करीब एक बजे दौलताबाद पुलिस थाने को सूचना दी कि एक्सप्रेसवे पर नुकीली वस्तुएं निकली हुई हैं। हमारी टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। हमें अभी यह पता नहीं चल पाया है कि सड़क पर कितनी कीलें ठोंकी गई थीं, लेकिन तीन कारों के टायर पंक्चर हो गए। पुलिस ने मामले की आगे जांच के लिए सड़क ठेकेदार और उन लोगों को बुलाया है जिन्होंने मौके पर वाहन चालकों को रोका था।

विश्व भ्रमण की तैयारी

10 महिला सैन्य अधिकारी आज होंगी रवाना

मुंबई। अपनी तरह के पहले मिशन के तहत भारत की तीनों सेनाओं की 10 महिला अधिकारियों का एक दल बृहस्पतिवार को गेटवे ऑफ इंडिया से भारतीय सेना के नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेणी पर सवार होकर विश्व भ्रमण पर निकलेगा। सेना की पांच, वायु सेना की चार और नौसेना की एक अधिकारी के इस दल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल अनुजा वरुडकर करेंगी। यह भारतीय सशस्त्र बल का संयुक्त रूप से अपनी तरह का पहला जलयात्रा अभियान है। अधिकारी 26,000 समुद्री मील से ज्यादा की यात्रा करेंगी, भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी और केप लीउविन, केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप का चक्कर लगाएंगी। यही नहीं प्रमुख महासागरों सहित कुछ सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों को कवर करेंगी। यह अभियान नौ महीनों में पूरा होने की संभावना है।

अणगौर बांध ओवरफ्लो, खिले किसानों के चेहरे

सिरोही। जिले में सोमवार से बारिश का दौर थम गया है। तीन दिन से जिले में कहीं भी बारिश नहीं हुई, हालांकि हफ्तेभर से हुई बारिश के कारण नदी, नाले एवं पहाड़ी झरनों से पानी की आवक होने के कारण बांधों में आवक जारी है, जिससे बुधवार को जिले से सटा एवं शहर के मुख्य पेयजल स्त्रोत 495 एमसीएफटी भराव क्षमता वाला अणगौर बांध छलक गया। जिले के 30 बांधों में से बुधवार सुबह तक 18 बांधों पर पानी की चादर चल रही है। पानी की निरंतर आवक से जिले के कई बांध भी छलकने के कगार पर है। अणगौर बांध छलकने से किसानों के चेहरे खिल उठे है तो सिरोही शहरवासी इस बात से खुश है कि आगामी सालभर तक पेयजल की समस्या में इससे काफी राहत मिलेगी।

3500 हेक्टेयर भूमि होती सिंचित

अणगौर बांध किसानों के लिए लाइफ लाइन है। अणगौर बांध 1988 में बना था। इस बांध से जुड़े डोडुआ, कालंद्री, पाडीव, मांडवाडा, बरलूट एवं जावाल गांव की 3500 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई होती है। अणगौर की एक मु य नहर के अलावा 10 माइनर नहरें है। छह गांवों में सिंचाई के लिए 38 किलोमीटर तक नहरों का नेटवर्क फैला हुआ है।

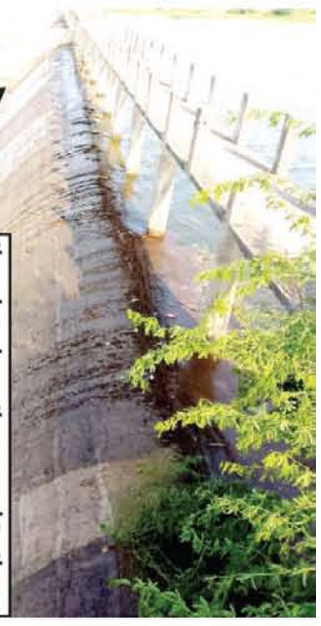

सिरोही शहर में जलापूर्ति का प्रमुख पेयजल स्त्रोत

छह गांवों में सिंचाई के लिए 45 किलोमीटर तक फैली नहरें

किसानों को होगा फायदा

अणगौर बांध से करीब छह गावों के किसानों को रबी की फसल के लिए पानी छोड़ा जाता है। बांध के ओवर लो होने से किसानों को काफी राहत हुई है। इसके अलावा जिला मुख्यालय की जलापूर्ति भी अणगौर बांध से होती है।

शिव प्रकाश
अधीक्षक अभियंता, जल संसाधन विभाग सिरोही।

दीपावली के आसपास छोड़ते सिंचाई के लिए पानी

अणगौर बांध से डोडुआ, कालंद्री, पाडीव, मांडवाडा, बरलूट एवं जावाल के किसानों के लिए दीपावली के आसपास खेती के लिए पानी छोड़ा जाता है। बांध भरने से किसानों को राहत मिलेगी।

रामविलास
एइएन-जल संसाधन विभाग सिरोही।

ये बांध हुए ओवर फ्लो

जिले के तीस बांधों में 18 बांध ओवरफ्लो हो गए हैं। सबसे ज्यादा पिण्डवाड़ा के सभी सात बांध ओवर फ्लो हो गए है। सिरोही के आठ में से चार, आबूरोड में सात में से चार तथा रेवदर में सात में से तीन बांध ओवर फ्लो हो गए है।

अणगौर बांध पर एक नजर

495 एमसीएफटी क्षमता वाले अणगौर बांध से 50 एमसीएफटी पानी सिरोही शहर को पीने के लिए दिया जाता है, जबकि शेष पानी किसानों को सिंचाई के लिए दिया जाता है। पेयजल आपूर्ति के लिए यहां 8 ओपनवैल व 6 ट्यूबवैल हैं।

यहां इतनी दर्ज हुई बारिश

क्षेत्र	प्रतिशत	टोटल बारिश	औसत बारिश
सिरोही	117 प्रतिशत	806.08	689.7
पिण्डवाड़ा	119 प्रतिशत	927	776.4
आबूरोड	95 प्रतिशत	858	904.8
माउंट	124 प्रतिशत	3191	1765.9
शिवगंज	108 प्रतिशत	716.09	664.7
रेवदर	103 प्रतिशत	806	689.7

सिरोही जिले के बांधों में पानी की आवक

» सिरोही ब्लॉक		
बांध	भराव क्षमता	भज्जल स्तर
अणगौर	22.50 फीट	ओवरफ्लो
धांता	28 फीट	25.60 फीट
कामेरी	5 मीटर	ओवरफ्लो
पोइदरा	16.50 फीट	6.50 फीट
निम्बोड़ा	4 मीटर	....
बरलूट	3.50 मीटर	2.35 मीटर
अखेताव	14 फीट	ओवरफ्लो
मानसरोवर	15.50 फीट	ओवरफ्लो

» आबूरोड ब्लॉक		
बांध	भराव क्षमता	भज्जल स्तर
बगेरी	10 मीटर	ओवरफ्लो
गिरवर	16 फीट	ओवरफ्लो
कुई सांगणा	6.50 मीटर	5.20 मीटर
चिनार	7.50 मीटर	ओवरफ्लो
महादेव नाला	9 मीटर	8.43 मीटर
वाजना	5.80 मीटर	ओवरफ्लो
मूंगथला	5 मीटर	4.70 मीटर

» रेवदर ब्लॉक		
बांध	भराव क्षमता	भज्जल स्तर
टोकरा	31 फीट	ओवरफ्लो
बूटड़ी	22 फीट	10.00 फीट
उड़वारिया	6.14 मीटर	ओवरफ्लो
मंडार नाला	5.23 मीटर	---
करोड़ीध्वज	6.90 मीटर	ओवरफ्लो
सूकड़ी-सेलवाड़ा	5.50 मीटर	4.10 मीटर
पंवदेवल	5.50 मीटर	4.00 मीटर

» पिण्डवाड़ा ब्लॉक		
बांध	भराव क्षमता	भज्जल स्तर
वेस्ट बनास	24 फीट	ओवरफ्लो
वालोरिया	10 मीटर	ओवरफ्लो
गंगाजलि	3.80 मीटर	ओवरफ्लो
भूला	25 फीट	ओवरफ्लो
सरूपसागर	20 फीट	ओवरफ्लो
कादम्बरी	21 फीट	ओवरफ्लो
वासा	8 मीटर	ओवरफ्लो

गैंगस्टरों की संपत्तियों की जांच शुरू

श्रीगंगानगर। संगठित अपराधों के खिलाफ बुधवार सुबह जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। कुख्यात अपराधियों के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में एसटीएफ, कालिका यूनिट, डॉग स्क्वॉड, डीप मेटल डिटेक्टर और विभिन्न थानों से आए करीब 300 पुलिसकर्मी शामिल हुए। फाइनेंशियल ट्रेल की जांच के लिए पांच विशेष टीमें बनाई गई थीं, जिन्होंने खेतों की ढाणियों से लेकर शहर के मकानों तक अपराधियों की संपत्तियों की गहन पड़ताल की।

करिश्मा कपूर से हाईकोर्ट में पूछे गए तीखे सवाल

दिल्ली। करिश्मा कपूर के एक्स हसबेंड और दिवंगत संजय कपूर की सपंत्ति विवाद मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी मौजूदा पत्नी प्रिया कपूर को समन जारी किया है। सुनवाई के दौरान प्रिया कपूर के वकील ने करिश्मा कपूर का जिक्र करते हुए कहा कि संजय कपूर से अलग होने के बाद वह पिछले 15 साल से कहीं दिखाई नहीं दीं। वहीं, दिल्ली हाई कोर्ट ने संजय कपूर की पत्नी से संपत्तियों की एक लिस्ट दाखिल करने को कहा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के बच्चों ने पिता संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सा मांगने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली हाई कोर्ट में बच्चों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने कहा, "मुकदमा अब दर्ज किया जाएगा। उन्हें संजय कपूर की व्यक्तिगत संपत्तियों के बारे में कुछ और जानकारी जुटानी होगी।

तीन बेटियों की हत्या कर महिला ने लगाई फांसी

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपनी तीन बेटियों की हत्या करने के बाद खुद भी सुसाइड कर लिया। इस घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। पुलिस ने चारों के शवों को कब्जे में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है। यह बात निकलकर सामने आ रही है कि पारिवारिक कलह की वजह से महिला ने यह कदम उठाया। दरअसल विकास कुमार दूसरी पत्नी तेज कुमारी के साथ भोजान पट्टी में रहता है और टूरिस्ट बस चलाता है। इसकी दो बेटी थीं, जिनका नाम किट्टो और मीरा था। किट्टो की उम्र दो साल जबकि मीरा की उम्र पांच महीने थी। इसके अलावा इनके साथ सात वृषीय गुंजन भी रहती थी, जो विकास की पहली पत्नी से थी। हालांकि पिछले कुछ समय से गुंजन मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में अपनी बुआ के यहां रह रही थी। आगामी 12 सितंबर को गुंजन का बर्थडे था, इसलिए विकास दो दिन से घर आया हुआ था। सोमवार को तेज कुमारी गुंजन को उसकी बुआ के यहां से घर ले आई थी। मंगलवार रात लगभग साढ़े आठ बजे विकास घर पर ही था। इसी दौरान उसने पत्नी को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। यह वही समय था, जब तेज कुमारी ने जिंदगी का सबसे बड़ा कदम उठा लिया। विकास ने लगातार दरवाजा भी खटखटाया, हालांकि अंदर से कोई आवाज नहीं आई। उसने इसके बाद तुरंत मोहल्ले के लोगों को आवाज दी, जिसके बाद काफी लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद पुलिस को इस पूरे मामले की जानकारी दी गई। दोघट थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और

तककीकात की तो पता चला कि कमरे के अंदर तीन बच्चियों के शव एक ही बेड पर पड़े थे और तेज कुमारी का शव पंखे पर झूल रहा था। पुलिस ने इसके बाद तुरंत रोशनदान तुड़वाया और एक युवक को अंदर भेजा। जांच में पता चला कि अंदर से दरवाजे का ताला लगा था। अंदर का ताला तुड़वाकर पुलिस कमरे में घुसी। पुलिस ने महिला के शव को नीचे उतारकर चारों के शवों को कब्जे में ले लिया है, जिसकी जांच चल रही है।

छात्रों को मुफ्त एसटी बस पास देने की मांग

मुंबई। छात्र संगठन छात्र भारती ने राज्य सरकार से महाराष्ट्र भर के छात्रों को एसटी बस पास प्रदान करने की अपील की है। संगठन ने ग्रामीण और कृषक समुदायों के बच्चों, जो स्कूल और कॉलेज जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं, की कठिनाइयों का हवाला देते हुए यह अपील की है। छाड़ा तालुका में हाल ही में हुई एक घटना के बाद यह माँग ज़ोर पकड़ गई है, जहाँ कक्षा 5 के एक छात्र, बादल राजाराम बरेला को कथित तौर पर एक एसटी बस से उतरने के लिए मजबूर किया गया क्योंकि उसका पास समाप्त हो गया था। इसके बाद लड़के को घर पहुँचने के लिए बारिश में दो-तीन किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। संगठन ने दावा किया कि लगभग 20 दिन पहले इस मामले की सूचना मिलने के बावजूद, संबंधित बस कंडक्टर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी

नागपुर। महाराष्ट्र से ठगी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र सरकार के मंत्रालय में फर्जी इंटरव्यू करवाकर एक 'उम्मीदवार' को ठग लिया गया। पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जिसने अपने 6 साथियों के साथ मिलकर कई लोगों को सरकारी नौकरी का लालच देकर लाखों रुपये की ठगी की। इस गिरोह ने न सिर्फ पैसे ऐंठे, बल्कि मंत्रालय के अंदर ही फर्जी इंटरव्यू और सरकारी अस्पताल में मेडिकल टेस्ट तक करवाए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार शख्स का नाम लॉरेंस हेनरी है, जो 45 साल का है और मल्हगीनगर का रहने वाला है।

मंत्रालय के केबिन में फर्जी इंटरव्यू

शिकायतकर्ता राहुल तायडे ने बताया कि लॉरेंस और उसके साथियों ने उनसे सरकारी जूनियर क्लर्क की नौकरी दिलाने का वादा करके कई किश्तों में पैसे लिए। इतना ही नहीं, ये लोग राहुल को मुंबई के जे.जे. अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले गए और मंत्रालय में एक केबिन में फर्जी इंटरव्यू भी करवाया। उस केबिन पर 'शिल्पा उदापुरे' का नेमप्लेट लगा था। राहुल को एक फर्जी आईडी कार्ड भी दिया गया।

भारत-यूएई मैच आज : कुलदीप-वरुण और संजू-जितेश में किसे मिलेगा मौका?

दुबई

भारतीय टीम का यह पहला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले अभ्यास जैसा साबित हो सकता है। भारतीय टीम अभी तक इस बात पर अंतिम निर्णय नहीं ले पाई है कि यूएई के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में वह तीसरे स्पिनर को टीम में शामिल करेगी या फिर किसी विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को उतारेगी। एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत 10 सितंबर यानी बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ करेगा। इस मैच को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि टीम मैनेजमेंट अंतिम एकादश में किन खिलाड़ियों को मौका देगा और किन्हें बाहर बैठना पड़ेगा। हालांकि, टीम प्रबंधन का मुख्य ध्यान ऑलराउंडरों के सहारे संतुलन साधने पर होगा। भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। मैच भारतीय समयानुसार बुधवार रात आठ बजे शुरू होगा, जबकि टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम साढ़े सात बजे होगा।

ऑलराउंडरों के जरिए संतुलन साधने पर जोर

भारतीय टीम अभी तक इस बात पर अंतिम निर्णय नहीं ले पाई है कि यूएई के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में वह तीसरे स्पिनर को टीम में शामिल करेगी या फिर किसी विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को उतारेगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के पद संभालने के बाद से ही भारत ने लगभग हर फॉर्मेट में ऑलराउंडरों को अहमियत दी है। इस रणनीति का उद्देश्य बल्लेबाजी को गहराई देना है ताकि टीम के पास आठवें नंबर तक भरोसेमंद बल्लेबाज मौजूद हों।

पाकिस्तान मैच से पहले अभ्यास जैसा होगा यह मुकाबला

भारतीय टीम का यह पहला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले अभ्यास जैसा साबित हो सकता है। अमीरात की टीम को ऑन पेपर कमजोर माना जाता है, ऐसे में यह मैच भारतीय टीम प्रबंधन को यह परखने का मौका देगा कि आगे के मैचों के लिए कौन-सा संयोजन सबसे बेहतर रहेगा।

यूएई खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर

मेजबान यूएई के क्रिकेटरों के लिए यह मुकाबला उनके जीवन का सबसे अहम मैच साबित हो सकता है। भारतीय टीम के खिलाफ खेलते हुए जसप्रीत बुमराह का सामना करना या फिर शुभमन गिल जैसे बल्लेबाज को गेंदबाजी करना किसी एसोसिएट देश के खिलाड़ी के

लिए सामान्य बात नहीं है। एशिया कप उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के माहौल से परिचित कराएगा और उनके खेल को निखारने का मौका देगा।

विकेटकीपर की पहेली सुलझी

भारतीय टीम में लंबे समय से चली आ रही विकेटकीपर की दुविधा भी फिलहाल अनसुलझी दिख रही है। हालांकि, संजू सैमसन और जितेश शर्मा में से जितेश को प्राथमिकता दी जा सकती है। सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी के बावजूद जितेश की फिनिशर की भूमिका टीम प्रबंधन को ज्यादा उपयुक्त लग सकती है।

गिल की वापसी से सैमसन की राह मुश्किल

शीर्ष क्रम में शुभमन गिल की वापसी के कारण भी सैमसन के लिए प्लेइंग-11 में जगह बनाना मुश्किल हो गया है। अब गिल और अभिषेक शर्मा भारतीय पारी की शुरुआत करेंगे। तीसरे नंबर की स्थिति पर तिलक वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करके अपनी जगह मजबूत की है। यही वजह है कि वह टी20 विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच चुके हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

ऑलराउंडरों पर टिकी निगाहें

शीर्ष और मध्यक्रम के बाद बारी ऑलराउंडरों की आती है। यहां हार्दिक पांड्या की भूमिका अहम हो जाती है। वह टीम को एक कुशल बल्लेबाज और एक भरोसेमंद तेज गेंदबाज दोनों विकल्प देते हैं। इसके अलावा शिवम दुबे भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और धीमी पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में रिंकू सिंह को मौका मिलने की बात भी चल रही ही।

निचले क्रम का संतुलन

नंबर सात पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा फिट बैठते हैं, खासकर उनके आरसीबी के लिए आईपीएल में किए गए दमदार प्रदर्शन को देखते हुए। इसके बाद अक्षर पटेल आते हैं, जो टीम को एक उपयोगी स्पिनर के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी योगदान देने का भरोसा देते हैं।

गेंदबाजी विभाग की मजबूती

तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की जगह लगभग तय मानी जा रही है। दोनों के चयन से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलती है और केवल एक स्थान चयन के लिए बचता है। सितंबर में एशिया कप खेले जाने का मतलब है कि दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच मार्च की तुलना में अधिक हरी-भरी और ताजी होगी, जिसमें उछाल भी ज्यादा होगा।

दुबई की पिच और स्पिनरों की स्थिति

मार्च में यहां चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत ने रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे चार स्पिनरों को खिलाया था। हालांकि, इस बार परिस्थितियां बदली हुई हैं। अगर टीम प्रबंधन अक्षर के साथ किसी और स्पिनर को शामिल करने का फैसला करता है, तो उसके पास कुलदीप और चक्रवती से स्पिन करा सकते हैं।

यूएई टीम के लिए सुनहरा मौका

मेजबान यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर है। उनके खिलाड़ी जैसे मुहम्मद वसीम, राहुल चोपड़ा और सिमरनजीत सिंह, अनुभवी कोच लालचंद राजपूत के मार्गदर्शन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने को तैयार हैं।

भारत

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे/रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती/कुलदीप यादव।

संयुक्त अरब अमीरात

मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू , आसिफ खान, अर्यांश शर्मा, राहुल चोपड़ा (विकेटकीपर), सिमरनजीत सिंह, ध्रुव पराशर, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद फारूक, मतीउल्लाह खान।

कमिंस, स्टार्क और मेरा अभी संन्यास का इरादा नहीं : जोश हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि अभी उनका ,पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क का करियर काफी समय तक चलेगा और कोई भी संन्यास के बारे में विचार नहीं कर रहा। इसलिए ये कहना कि एशेज सीरीज में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की तिकड़ी अंतिम बार उतरेगी कहना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हम तीनों में ही अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेलेंगे। अभी हम तीनों की उम्र 35 साल के आसपास है। कमिंस ने कमर में खिंचाव है। वहीं

स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं जिसमें हम अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर तीनों ही इनका हिस्सा बनना चाहता है।

बैजबॉल की आलोचना करने वालों पर इंग्लैंड के कोच मैकुलम ने साधा निशाना

लंदन।

मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभाली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी। क्रिकेट जगत ने इस शैली को बैजबॉल नाम दिया, लेकिन मैकुलम को यह शब्द पसंद नहीं है। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट का बैजबॉल ब्रांड कोई कड़ी खेल शैली नहीं है बल्कि यह खिलाड़ियों को स्वछंद होकर खेलने की छूट देने से जुड़ा है तथा इसको लेकर गलत धारणाएं खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है। मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभाली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी। क्रिकेट जगत ने इस शैली को

बैजबॉल नाम दिया, लेकिन मैकुलम को यह शब्द पसंद नहीं है। बीबीसी स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, मैकुलम ने फॉर द लव ऑफ क्रिकेट पॉडकास्ट में कहा, हमारे अंदर कभी भी अपने बारे में ऐसी मानसिकता नहीं रही है। चीजों को लेकर हमारा रवैया सख्त नहीं है।उन्होंने कहा, हम जिस तरह की क्रिकेट खेलते हैं उसको लेकर कुछ गलत धारणा है। मुझे लगता है कि यह सभी खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के लिए अपमानजनक है। हम कड़ी मेहनत करते हैं और सफल होना चाहते हैं, लेकिन हमें इस तरह से वर्गीकृत करना सही नहीं है।न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि उनका जोर हमेशा खिलाड़ियों की मानसिकता पर रहा है, न कि किसी विशेष तरीके से खेलने पर। मैकुलम ने कहा, हमारे लिए यह एक ऐसा माहौल तैयार करने से जुड़ा है जिसमें हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलने और अपनी भूमिका को अच्छी तरह से समझने पर जोर देते हैं।मैकुलम ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन करें। इसलिए एक निश्चित शैली या खेलने के तरीके पर विश्वास रखने से हमारी सफलता की संभावना बढ़ जाती है।मैकुलम की देखरेख में हाल ही में इंग्लैंड को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-2 की बराबरी से संतुष्ट करना पड़ा था। भारत ने युवा कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में शानदार प्रदर्शन किया था और इंग्लैंड को उसके घर में बढ़त नहीं हासिल करने दी थी।

आरसीबी से प्रस्ताव मिलने के समय नाइट क्लब में था : गेल

जमैका। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल ने खुलास किया है कि साल 2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने जब उनसे संपर्क किया था। तब वह बेहद निराश होने के कारण मन बहलाने के लिए एक नाइट कलब गये हुए थे। गेल के अनुसार उन दिनों विश्व कप में मिली हार के बाद उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भी टीम से बाहर कर दिया गया था। इसी कारण वह क्रिकेट से दूर होने के कारण परेशान थे। इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा, साल 2011 में जब उन्हें आरसबी से फोन आया तो वह एक नाइट क्लब में गये हुए थे। विश्वकप में हार के साथ ही मुझे चोट भी आई हुई थी। इसी कारण मैं बहुत निराश था।गेल ने कहा, 'मुझे कॉल आया। दूसरी ओर विजय माल्या और अनिल कुंबले थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं फिट हूं। मैं सोच रहा था कि क्या यह सब कुछ सच में हो रहा है। मैंने जवाब दिया- हां, मैं फिट हूं।

अगले साल सात फरवरी से शुरू हो सकता है टी20 विश्व कप, भारत के इतने स्थानों पर मैच संभव

नई दिल्ली।

आईसीसी अभी कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहा है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट की विंडो तय हो चुकी है और इसे भाग लेने वाले देशों के साथ साझा किया जा चुका है।अगले साल होने वाला टी20 विश्व कप सात फरवरी से लेकर आठ मार्च तक आयोजित हो सकता है। इस वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि भारत के कम से कम पांच स्थानों में टी20 विश्व कप के मैच होंगे, जबकि श्रीलंका के दो स्थान इस टूर्नामेंट के मुकाबलों की मेजबानी

करेंगे।

कोलंबो में होगा फाइनल

फाइनल अहमदाबाद या कोलंबो में खेला जाएगा। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाकिस्तान फाइनल में पहुंच रहा है या नहीं। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक दूसरे के देश में नहीं खेल रही हैं जिस कारण इनके मैच तटस्थ स्थल पर रखे जा रहे हैं। आईसीसी अभी कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहा है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट की विंडो तय हो चुकी है और इसे भाग लेने वाले देशों के साथ साझा किया जा चुका है।

2024 की तरह रहेगा प्रारूप

टी20 विश्व कप 2026 का प्रारूप 2024 की ही तरह रहेगा जहां 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल होंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी और इन आठ टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। इसमें से प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। भारतीय टीम गत चैंपियन है जिसने 2024 में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। इस बार टूर्नामेंट में कुल 55 मुकाबले खेले जाएंगे।

अफगानिस्तान ने एशिया कप टी20 में रनों के लिहाज से तीसरी बड़ी जीत दर्ज की

अबु धाबी।

गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से अफगानिस्तान ने हांगकांग को एशिया कप के ग्रुप बी मुकाबले में 94 रनों से हराकर विजयी शुरुआत की। अफगानिस्तान ने सेदिकुल्लाह अटल और अजमातुल्लाह ओमरजई के अर्धशतकों से 20 ओवर में छह विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में हांगकांग की टीम 100 रन भी नहीं बना सकी और 20 ओवर में नौ विकेट पर 94 रन ही बना पाई और उसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। यह एशिया कप टी20 में रनों के लिहाज से किसी टीम की तीसरी बड़ी जीत है।

हांगकांग की पारी

हांगकांग ने पहले सलामी बल्लेबाज अंशुमान राथ का विकेट गंवाया जो खाता खोले बिना आउट हुए। इसके बाद अजमातुल्लाह ने जीशान अली को आउट किया जो पांच रन बनाकर

पवेलियन लौटे। फिर निजाकत खान रन आउट हुए जो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, कल्हान चल्लू भी चार रन बनाकर रन आउट हुए। बाबर ने किंचित शाह के साथ मिलकर टीम को संभालने की कोशिश की और दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 21 रन जोड़े, लेकिन नूर अहमद ने किंचित को आउट कर हांगकांग को एक और झटका दिया। किंचित छह रन बनाकर आउट हुए। हांगकांग को बाबर हयात के रूप में छठा झटका लगा जो 43 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाना शुरू कर दिए।

इस सीरीज में विराट-रोहित के खेलने की संभावना बेहद कम, सीधे ऑस्ट्रेलिया में करेंगे वापसी

मुंबई

बीसीसीआई अधिकारी नेकहा, सिर्फ तभी आप उन्हें एक या दो मैच भारत ए के लिए खेलते हुए देख सकते हैं, जब उन्हें गेम टाइम की जरूरत होगी। लेकिन अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। भारतीय टीम अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। यह सीरीज खास इसलिए है क्योंकि लंबे समय बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे, लेकिन उनकी अगले महीने भारत ए की ओर से प्रैक्टिस मैच खेलने की संभावना अब बेहद कम बताई जा रही है। ऑस्ट्रेलिया-ए का भारत दौरा 16 सितंबर से लेकर पांच अक्तूबर तक चलेगा। वहीं, भारत की सीनियर टीम अक्तूबर मध्य में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। अक्तूबर 19 से लेकर नवंबर आठ तक टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलेगी।

रिपोर्ट में दावा बहुत कम चांस

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों दिग्गज बल्लेबाजों को भारत ए के लिए खेलने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा,

यह काफी हद तक असंभव है कि दोनों भारत ए के लिए तीन मैच खेलेंगे। इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है और उन पर कोई दबाव भी नहीं डाला जाएगा। बीसीसीआई ने इस साल की शुरुआत में 10 पॉइंट गाइडलाइन जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि जो भी सीनियर क्रिकेटर फिट हैं और चोटिल नहीं हैं, उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य होगा।

अगर जरूरत पड़ी तो खेल सकते हैं एक-दो मैच

बीसीसीआई अधिकारी ने आगे कहा, सिर्फ तभी आप उन्हें एक या दो भारत ए मैच खेलते हुए देख सकते हैं जब उन्हें गेम टाइम की जरूरत होगी। लेकिन अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। हालांकि यह साफ कर दिया गया है कि दोनों खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह फिट और उपलब्ध रहेंगे। अधिकारी ने कहा, वे बिल्कुल फिट हैं और ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे।

चयन से पहले घरेलू टूर्नामेंट पर नजर

सेलेक्टर्स फिलहाल घरेलू टूर्नामेंट्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि चयनकर्ताओं द्वारा पहले ईरानी कप की टीम घोषित की जाएगी और कुछ चयनकर्ता बंगलुरु में दलीप ट्रॉफी फाइनल देखने भी जाएंगे। वहीं मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर इस समय टीम इंडिया के साथ दुबई में मौजूद हैं।

रोहित-विराट का भविष्य और कप्तानी की चर्चा

36 वर्षीय कोहली और 38 वर्षीय रोहित शर्मा ने हाल ही में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, उनकी उम्र और भविष्य को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। रोहित फिलहाल वनडे टीम के कप्तान हैं, लेकिन शुभमन गिल की युवा कप्तानी ने भविष्य की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं।

धोनी के कारण मुझे अलग-अगल भूमिकाएं तलाशनी पड़ीं : दिनेश कार्तिक

मुम्बई । पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके लिए टीम में जगह बनाना कठिन हो गया। इसी कारण उन्हें अलग-अलग भूमिकाओं में उतरना पड़ा। कार्तिक ने साल 2004 में धोनी से तीन माह पहले भारतीय टीम की ओर से पदार्पण किया था पर शुरुआती कुछ मैचों के बाद ही धोनी के टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह बना ली। जिससे उनके लिए जगह हासिल करना कठिन हो गया था। हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक ने पुरानी बातों को याद कर कहा कि धोनी ने अपने करियर की शुरुआत में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। कार्तिक ने कहा, मैंने उन्हें ज्यादा खेलते नहीं देखा था पर केन्या में उस ए सीरीज के दौरान, हर कोई एक खिलाड़ी की चर्चा कर रहा था, क्योंकि वह कुछ नया लेकर आया था। जिस ताकत से वह गेंद को मारता था, लोगों का कहना था कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। कुछ तो उनकी तुलना गैरी सोबर्स से भी कर रहे थे, जो अपने लंबे छक्कों के लिए जाने जाते थे। तब धोनी की तकनीक बिल्कुल अलग थी और वह गेंद को इतनी जोर से मार रहे थे जितना लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। उस समय यही चर्चा थी। कार्तिक ने कहा, उस समय भारत राहुल द्रविड़ को विकेटकीपर के

विकल्प के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। लेकिन द्रविड़ ने बाद में ये भूमिका निभाने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं केवल अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहता हूं। विकेटकीपिंग करने में मेरा शरीर बहुत मेहनत कर रहा है। इसलिए टीम ने एक अच्छे विकेटकीपर की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान मुझे विकेटकीपिंग का अवसर मिला पर धोनी के आने के बाद हालात बदल गये। इसके बाद मुख्य विकेटकीपर की जिम्मेदारी उन्हें मिलने लगी। जब वह आए, तो उन्होंने सभी को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। बहुत जल्द, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी छा गये थे। इस क्रिकेटर ने कहा, जब ऐसा कोई खिलाड़ी सामने आता है, तो आपको स्वयं से पूछना चाहिए कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ रूप सामने लाने के लिए क्या कर सकता हूं।

जितिया व्रत में हाथ के बजाय गले में क्यों पहनाया जाता है धागा?

जानिए यूपी-बिहार की अनोखी परंपरा

जितिया व्रत के त्योहार में अब बस कुछ ही दिन रह गए हैं. इस व्रत को हिंदू महिलाएं अपने बच्चों की दीर्घायु और सलामती के लिए करती हैं. यह व्रत तीन दिनों तक चलता है, जिसमें पहले दिन 'नहाई-खाई' होता है, दूसरे दिन निर्जला उपवास रखा जाता है और तीसरे दिन व्रत का पारण किया जाता है. इस दौरान महिलाएं निर्जला उपवास रखती हैं और भगवान जीमूतवाहन की पूजा-अर्चना करती हैं. पूजा के बाद महिलाएं अपने बच्चों को एक विशेष धागा पहनाती हैं, जिसे जितिया धागा कहा जाता है. देश के कुछ हिस्सों में माताएं संतान के हाथों में यह धागा बांधती हैं, तो वहीं कुछ जगहों पर यह धागा संतान के गले में पहनाया जाता है. ऐसा क्यों किया जाता है, आइए जानते हैं. बिहार और उत्तर प्रदेश में जितिया धागा गले में पहनाने की परंपरा है. मान्यता है कि इससे संतान को दीर्घायु, स्वास्थ्य और समृद्ध जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता है. साथ ही यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है. एक और तर्क यह भी है कि गले में बंधा धागा शरीर के सबसे नज़दीक हृदय के पास रहता है और उसकी सुरक्षा करता है. यह धागा मां और संतान के बीच अटूट बंधन का प्रतीक माना जाता है।

मां और संतान का अटूट रिश्ता

जितिया व्रत की परंपरा मां और संतान के रिश्ते की गहराई को दर्शाती है. यह व्रत माँ को न सिर्फ मानसिक रूप से मजबूत करता है, बल्कि उन्हें यह भी एहसास दिलाता है कि उनकी आस्था और समर्पण से उनकी संतान सुरक्षित और खुशहाल रहेगी. यह धार्मिक परंपरा सिर्फ एक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह एक माँ के निस्वार्थ प्रेम और बलिदान का प्रतीक भी है।

जितिया व्रत शुभ मुहूर्त 2025

यह व्रत आश्विन माह की अष्टमी तिथि को 14 सितंबर 2025, सुबह 5 बजकर 4 मिनट पर शुरू होगा. इसका समापन 15 सितंबर, सुबह 3 बजकर 6 मिनट पर होगा.
जितिया व्रत का पारण 15 सितंबर, सोमवार को किया जाएगा.

तीन दिनों की व्रत परंपरा

यह व्रत तीन दिनों तक चलता है, जिसमें पहले दिन 'नहाई-खाई' होता है, दूसरे दिन निर्जला उपवास रखा जाता है और तीसरे दिन व्रत का पारण किया जाता है. व्रत के दौरान, महिलाएं भगवान जीमूतवाहन की पूजा करती हैं. पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान जीमूतवाहन ने एक गरुड़ से एक नाग के जीवन की रक्षा के लिए अपने शरीर का बलिदान दिया था, जिससे उन्हें संतान रक्षक देवता के रूप में पूजा जाता है.

जितिया धागे का प्रतीकात्मक महत्व

व्रत के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में, माताएं अपनी संतान की कलाई पर एक विशेष धागा बांधती हैं, जिसे जितिया धागा कहते हैं. यह धागा अक्सर लाल, नारंगी या पीले रंग का होता है, जो शक्ति, ऊर्जा और शुभता का प्रतीक माना जाता है. इस धागे को बांधते समय, माँ अपनी संतान के लिए दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं. यह धागा सिर्फ एक साधारण धागा नहीं है, बल्कि यह माँ के समर्पण, प्रार्थना और प्रेम का प्रतीक है, जो बच्चों को बुरी शक्तियों और संकटों से बचाने का विश्वास दिलाता है.

पितृ सपनों में क्यों आते हैं?

जानें पितृ पक्ष में मिलने वाले संकेत

साल 2025 में 7 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत हो चुकी है. पितृपक्ष के दौरान पितृ धरती पर आते हैं, इसलिए उनका तर्पण और श्राद्ध कर्म करना बेहद ज़रूरी माना जाता है. पितृपक्ष के दौरान पितरों का सपने में आना किस बात का संकेत है, यह जानना महत्वपूर्ण है.अक्सर घर के सदस्यों को पितृपक्ष के दौरान पितरों के स्वप्न आते हैं या पितृ उन्हें दिखाई देते हैं. पितरों का सपने में आना शुभ और अशुभ दोनों तरह का संकेत दे सकता है.अगर पितृ आपके सपने में आकर किसी चीज़ की मांग करते हैं, तो इसका अर्थ है कि उनकी कोई इच्छा अधूरी रह गई है. इसी कारण वे आपको सपने में दर्शन देकर अपनी इच्छा प्रकट करना चाहते हैं.इस स्वप्न को गंभीरता से लेना चाहिए और अपने पितरों की इच्छा को पूरा करना चाहिए.

पितरों के श्राद्ध के दिन उस कार्य को अवश्य करें जिससे वे तृप्त हों. यदि आप अपने पितरों का श्राद्ध कर चुके हैं और उसके बाद भी वे आपको सपने में दिखाई देते हैं, तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन उनका नाम लेकर उनकी इच्छा पूरी करें.अगर स्वप्न में पितृ आपको हँसते और मुस्कुराते हुए दिखाई दें, तो इसका अर्थ है कि वे आपसे प्रसन्न हैं और आपको आशीर्वाद देने आए हैं. यह सपना बेहद शुभ माना जाता है.

चांदी के गहनों को चमकाने के उपाय

आज के समय में शायद ही कोई ऐसा घर होगा जहां चांदी के गहने या बर्तन आदि मौजूद न हो। मगर समय बीतने के साथ साथ इनकी चमक फीकी पड़ने लगती है। कई बार तो चांदी का रंग इतना मंद पड़ जाता है कि वह काले रंग की दिखने लगती है। घर में रखी चांदी की कई चीजों का इस्तेमाल दैनिक जीवन में कम ही हो पाता है। ऐसे में रोज-रोज उसकी चमचमाहट को बरकरार रख पाना मुश्किल काम लगता है। यदि आप अपने चांदी के गहनों की चमक को बनाए रखना चाहते हैं तो इन टिप्स की मदद ले सकते हैं।

एयरटाइट कंटेनर यदि आपके पास बहुत सारे चांदी के गहने जैसे पायल, चेन, कंगन, बिछिया आदि हैं तो इन्हें आप अलग अलग टिश्यू पेपर में लपेट कर एयरटाइट कंटेनर में रखें। चांदी के सामान पर कभी भी रबर बैंड न लगाएं क्योंकि ये चांदी के रंग को फीका कर सकता है।

सेनिटाइजर आप चांदी को नए जैसा बनाने के लिए हैंड सेनिटाइजर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए आप एक बर्तन में सेनिटाइजर रख लें और उसमें चांदी के आभूषण को लगभग आधे घंटे के लिए डुबाकर छोड़ दें। इसके बाद स्क्रब लगाकर इसे रगड़ लें और कपड़े से पोंछ कर साफ़ कर लें।

बेकिंग सोडा 3 चम्मच बेकिंग सोडा में थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें और इसे टूथब्रश की मदद से चांदी के गहनों की सफाई करें। इस उपाय से आपके गहने पहले की तरह नए दिखने लगेंगे।

टूथपेस्ट चांदी को साफ करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल किया जा सकता है। चमक बढ़ाने के लिए सफेद दंत पाउडर का इस्तेमाल शानदार नतीजे दे सकता है।

टोमेटो केचप जी हां, घर में रखा टोमेटो सॉस चांदी की चमक लौटाने में कारगर साबित हो सकता है। इसके लिए आप चांदी पर टोमेटो सॉस लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें और फिर किसी मुलायम कपड़े से रगड़कर पोंछ लें। अब चांदी को गर्म पानी से धो लीजिए। इस उपाय से आपको बदलाव जरुर नजर आएगा।

प्रोफेशनल की तरह मेकअप करने पर भूलकर भी न करें ये गलतियां

महिलाएं अक्सर घर में प्रोफेशनल मेकअप करने की कोशिश करती हैं। लेकिन बहुत कोशिश के बाद भी वो कुछ न कुछ गलती कर वो अपने मेकअप खराब कर लेती है। जिसका कारण ब्यूटी टिप्स को सही ढंग से फॉलो न करना है। आज कल सभी लोग अलग-अलग तरह के मेकअप ट्रेंड्स को फॉलो कर रहे हैं। कई इंफलुएंसर मेकअप टिप्स लोगों के साथ सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। जिन्हे लोग काफी पसंद भी करते हैं। लेकिन इसके बाद भी अगर आप प्रोफेशनल मेकअप लुक नहीं पा रहे हैं, तो इस तरह के गलत ब्यूटी हैक्स को करने से बचने की कोशिश करें।

❐ **मैट लिपस्टिक और ग्लॉसी** मेकअप को रखें अलग घर में मेकअप करते समय आप अपने फेस पर ज्यादा एक्सपेरिमेंट न करें। अगर आप अपने फेवरेट सेलेब्स से मेकअप आइडिया ले रहे हैं, तो ये जरूर याद रखें कि सेलेब्स के मेकअप आर्टिस्ट प्रोफेशनल होते हैं। आज कल मैट लिपस्टिक के साथ ग्लॉसी मेकअप काफी ट्रेंड कर रहा है। लेकिन मेकअप का ये कॉम्बिनेशन सब पर सूट नहीं करता है।

❐ **ओवर ब्लशर** से हो सकता है मेकअप खराब ब्लशर मेकअप लोगों के बीच काफी फेमस हो रहा है। लेकिन अगर आप ब्लशर मेकअप घर में ही कर रहे हैं, तो कोशिश करें कि ज्यादा ब्लशर का यूज भूलकर भी न करें। ऐसे में अगर आप दिन के समय ब्लशर मेकअप कर रहे हैं, तो लाउड ब्लशर करने से बचें।

❐ **ब्यूटी ब्लेंडर से ब्लेंड** करें फाउंडेशन कई लोग अक्सर अपने हाथों से ही चेहरे पर फाउंडेशन अप्लाई करने लगते हैं। लेकिन आप भूलकर भी ये गलती न करें। क्योंकि ऐसा करने से आपका मेकअप थोड़ी देर के बाद खराब दिखने लगता है। फेस पर फाउंडेशन लगाने के लिए आप ब्यूटी ब्लेंडर का ही यूज करें।

❐ **फाउंडेशन के साथ न मिलाए टिंटेड मॉइश्चराइजर** कई लोग फाउंडेशन में टिंटेड मॉइश्चराइजर मिक्स करके लगाते हैं। जो मेकअप हैक्स में सबसे बड़ी गलती है। इन दोनों को एक साथ मिक्स करने पर दोनों का बेस एक दूसरे के साथ मर्ज हो जाता है। हर ब्यूटी प्रोडक्ट को उसके हिसाब से तैयार किया जाता है। इसलिए जिस प्रोडक्ट को लगाने का जो स्टेप है उसे आप वैसे ही यूज करें। टिंटेड मॉइश्चराइजर आपके चेहरे पर एक अलग ही ग्लो देता है।

35 साल से ज्यादा उम्र की हर 3 में से 1 भारतीय महिला को होता है फाइब्रॉइड

डॉक्टरों ने बताया कि भारत में 35 साल से ज्यादा उम्र की लगभग हर तीसरी महिला फाइब्रॉइड से प्रभावित होती है, लेकिन जानकारी और जागरूकता की कमी के कारण कई महिलाएं इसे नजरअंदाज कर देती हैं। यह मरीज पिछले 4 साल से लगातार पेट फूलने, पेशाब में तकलीफ़ और पैरों में सूजन जैसी परेशानी झेल रही थीं, लेकिन परिवार को प्राथमिकता देने के कारण उन्होंने अपनी तकलीफ को गंभीरता से नहीं लिया। जांच में पता चला कि गर्भाशय और अंडाशय पर बनी यह गांठ 7 महीने के गर्भ जैसी बड़ी हो चुकी थी, जो आसपास के अंगों और रक्त नलिकाओं पर दबाव डाल रही थी। इसके चलते ब्लैडर अवरोध, किडनी खराब होने का खतरा और माहवारी के दौरान ज्यादा रक्तस्राव होने से खून की कमी जैसी समस्याएँ पैदा हो गई थीं। डॉ. सुजाता राठौड़, कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट, किम्स हॉस्पिटल, ठाणे, ने बताया: ‘यह सिर्फ इलाज का मामला नहीं था, बल्कि एक संदेश भी है—भारत में महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं और पहले परिवार का ख्याल रखती हैं। नतीजतन, आसानी से इलाज होने वाली बीमारी जटिल रोग में बदल जाती है।’ सर्जिकल टीम ने टोटल लैप्रोस्कॉपिक हिस्टरेक्टॉमी और बायलेटरल सैल्पिंगो-ओओफोरेक्टॉमी के जरिए बड़े फाइब्रॉइड को सफलतापूर्वक निकाला। डॉ. राठौड़ ने बताया कि इतनी बड़ी गांठ भी लेप्रोस्कोपिक तकनीक से निकाली जा सकती है।किम्स हॉस्पिटल, ठाणे में एक महिला (50 वर्ष) का सफल इलाज किया गया, जिनके गर्भाशय में बहुत बड़ा फाइब्रॉइड (गांठ) पाया गया।

फाइब्रॉइड क्या है?

यूटेराइन फाइब्रॉइड गर्भाशय में बनने वाली नॉन-कैंसरस गांठें होती हैं, भारत में लगभग 30–35% महिलाओं को उनकी प्रजनन आयु में प्रभावित करती हैं। अक्सर महिलाएं मासिक धर्म में ज़्यादा रक्तस्राव, पेट फूलने और पेल्विक डिस्कम्फर्ट जैसे लक्षणों को "सामान्य" मानकर अनदेखा कर देती हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण इलाज में देरी करती हैं। इस देरी से एक छोटी सी समस्या बेहद जटिल सर्जरी में तब्दील हो सकती है। इन लक्षणों को महिलाओं को कभी नजअंदाज नहीं करना चाहिये।

कुछ बच्चों की नींद में होती है मुस्कुराने की आदत

बच्चों की हर एक अदा अपने आप में निराली है। जिसे देखकर हर कोई उनकी तरफ आकर्षित हो जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है बच्चे सोते समय क्यूं मुस्कुराते है। क्या इसके पीछे कोई साइंटिफिक कारण है, या ये एक नॉर्मल प्रक्रिया है।

>>> इमोशनल डवलपमेंट होना

जब बच्चा जगा होता है, तो वो अपने आसपास कई सारी आवाजों, शोर-शराबें को सुनता है और नई चीजों को देखता है। और इस समय के दौरान, बच्चे का प्रोग्रेसिव माइंड हर दिन होने वाली घटनाओं और जानकारियों को रिकॉर्ड कर सकता है। जो बच्चे के सोने के दौरान उसके जहन में घूमने लगती है। इस समय बच्चे के दिमाग में वो सभी बातें होती है जो उसने अपने आसपास देखी और सुनी है। ऐसे में जब बच्चा हैप्पी इमोशन महसूस करता है तो वो सोते समय मुस्कुराने लगता है। इस प्रकार हम कह सकते है कि बच्चे का सोते समय मुस्कुराना उसके इमोशन डवलपमेंट का एक प्रोसेस है।

>>> गैस पास करना

अधिकांशतः ऐसा देखा जाता है कि बच्चे 4 महीने के बाद मुस्कुराने शुरू करते है। लेकिन अगर कोई बच्चा जन्म के शुरूआती कुछ हफ्तों में ही मुस्कुराने लगे, तो इसके पीछे एक बड़ा कारण हो सकता है, जो ये दर्शाता है कि बच्चे के गैस पास हो रही है। हालांकि, इस बात का कोई साइंटिफिक प्रूफ नहीं है। फिर भी, यह फैक्ट है कि पेट में की परेशानी के कारण बच्चे चिड़चिड़े रहते हैं और इस कारण वे लगातार रोते रहते है। लेकिन जब गैस पास होती है तो उन्हें राहत महसूस होती है। इस प्रकार सोते समय बच्चे के मुस्कुराने का एक कारण यह भी हो सकता है कि वो गैस पास कर रहा है।

>>> आरईएम स्लीप साइकिल

इंसानों में दो तरह की स्लीप साइकिल होती है - एक आरईएम यानी रैपिड आई मूवमेंट और दूसरी एनआरईएम यानी नॉन रैपिड आई मूवमेंट। आपका शरीर हर रात इन नींद की साइकिल आरईएम स्टेज से शुरू होती है। आमतौर पर बच्चे दिन में 16 से 18 घंटे सोते हैं। और क्योंकि नवजात शिशु अधिक आरईएम नींद का अनुभव करते हैं, इसलिए इन्वॉलन्टरी मूवमेंट्स के रिफ्लेक्स के रूप में बच्चे ज्यादा मुस्कुराते हैं। बल्कि आरईएम स्लीप फेज के कारण स्टेज से गुजरता है, जिससे आपको धीरे-धीरे नींद आने का अनुभव होने लगता है। रिसर्च के मुताबिक नवजात बच्चों में यही बच्चा तेजी से आई मूवमेंट करने लगता है और कई सपने भी देख सकता है। तो यदि आप अपने बच्चे को मुस्कुराते हुए या उसे नींद में हंसता हुआ पाते हैं, तो वह अपने आरईएम स्लीप में हो सकता है, जो दिन में हुए कुछ मजेदार चीजों को याद करके मुस्कुराता है।

>>> अन्य मेडिकल कारण

बच्चों के नींद में मुस्कुराने के पीछे कई अन्य मेडिकल कारण भी हो सकते है। जिसमें दुर्लभ मामलों में, पेट में मरोड़ चलने के कारण भी बच्चे को हंसी आ सकती है। लेकिन ध्यान रहें मरोड़ के कारण आने वाली हंसी से बच्चे का रेस्टिंग शेड्यूल खराब हो सकता है और उसकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। क्यूंकि जब मरोड़ चलेगा तो वो लंबी देर तक आराम से नहीं सो पाएगा और बीच-बीच में उसकी नींद खुलती रहेगी। बल्कि यदि आपको बच्चे में वजन कम होना, सोने में परेशानी होना, लगातार चिड़चिड़ापन होना या बिना किसी कारण के हंसना आदि अन्य लक्षण दिखाई देते हैं, तो इन्हें सामान्य ना समझें, बल्कि इन्हें गंभीरता से लेते हुए तुरंत बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

खराब हो गए प्लास्टिक के गमलों को फेंके नहीं

ऐसे करें दोबारा इस्तेमाल

लोग अक्सर अपने घरों की बालकनी या अपने गार्डन को सजाने के लिए डिजाइनर प्लास्टिक के गमलों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ता है, तो यही प्लास्टिक के गमले फूट जाते हैं या खराब हो जाते हैं। ऐसा होने पर लोग इन प्लास्टिक के गमलों को फेंक देते हैं। लेकिन अब आपको इन्हें फेंकने की जरूरत नहीं है। आज के इस आर्टिकल में आपको बताएंगे कि आप कैसे प्लास्टिक के खराब हुए गमलों को फिर से प्रयोग में ला सकते हैं।

अगर आपके पास प्लास्टिक का गमला है, जो पुराना हो गया है, तो आप उससे मिट्टी छानने के लिए प्रयोग कर सकते हैं। अक्सर लोगों को मिट्टी छानने में अलग से छलनी का इस्तेमाल करना पड़ता है। लेकिन आप इन प्लास्टिक के गमलों का प्रयोग करके मिट्टी को छान सकते हैं। इसके लिए आपको इन प्लास्टिक के गमलों में किसी नुकीली वस्तु की मदद से छेद करना है।

अगर आपके घर में पौधे हैं, तो आप जानते ही होंगे कि कई बार तेज धूप की वजह से पौधे सूख कर मुरझा जाते हैं। ऐसी स्थिति में लोग गमलों की जगह बार-बार बदलते रहते हैं, जिसमें काफी परेशानी होती है। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आप इन खराब प्लास्टिक के गमलों का प्रयोग दूसरे पौधों को बचाने के लिए कर सकते हैं। अब इन प्लास्टिक के गमलों में छोटे-छोटे छेग कर दें, फिर जिन पौधों पर धूम तेज आ लग रही है, उन पर रख दें।

बच्चों के पेंसिल बॉक्स साफ करने के तरीके

बच्चे अपने पेंसिल बॉक्स में अक्सर पेन या पेंट कलर रख लेते हैं। इससे उनके बॉक्स पर निशान रह जाता है। पेंट कलर या पेन के निशानों के कारण बॉक्स बहुत गंदा हो जाता है। इसे साफ करने में भी बहुत परेशानी आती है। अगर आपके बच्चों का भी पेंसिल बॉक्स बहुत गंदा हो गया है और उसपर पेंट कलर या फिर पेन के निशान हैं तो आप उन्हें आसानी से साफ कर सकती हैं। चलिए जानते हैं इन हैक्स के बारे में।

1)बेकिंग सोडा से करें साफ

बेकिंग सोडा को एक अच्छा क्लीनर माना जाता है क्योंकि इसका प्रयोग करने से बहुत सारी चीजों को चमकाया जा सकता है। आप बेकिंग सोडा का एक छोटा चम्मच एक कप में डालें और इसके बाद इसमें पानी डालकर थोड़ा थिक पेस्ट बना लें। इसे पांच से दस मिनट तक रख दें। इसके बाद बॉक्स के ऊपर जहां पर भी पेन या पेंट कलर के निशान हैं उनके ऊपर इसे कॉटन की मदद से लगा दें। फिर इसे पानी से रगड़कर साफ कर दें। इससे पेंसिल बॉक्स साफ हो जाएगा और निशान भी हट जाएंगे।

2)टूथपेस्ट की मदद से करें साफ

टूथपेस्ट की मदद से आप पेंसिल बॉक्स को आसानी से साफ कर सकती हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले एक इयरबड लेना होगा और फिर टूथपेस्ट को इयरबड पर लगाना होगा। इसके बाद इस इयरबड से जहां पर भी पेंसिल बॉक्स पर निशान हो वहां पर टूथपेस्ट लगाना होगा। टूथपेस्ट लगाने के बाद एक स्पंज से साफ करें। इसके बाद पानी से इसे धो लीजिए। ऐसा करने से पेंसिल बॉक्स से निशान आसानी से गायब हो जाएंगे।

3)नींबू और डिटर्जेंट लिक्विड का करें यूज

सबसे पहले आपको एक कप में एक छोटा चम्मच डिटर्जेंट लिक्विड डालना होगा और इसके बाद नींबू की 4 से 5 पांच बूंद को इसमें डालकर मिक्स करना होगा। फिर एक कप हल्का गुनगुना पानी इसमें डालना होगा। इसके बाद आपको इस लिक्विड से पेंसिल बॉक्स को अच्छे से साफ करना होगा। इन चीजों की मदद से पेंसिल बॉक्स की गंदगी हट जाएगी और अधिक समय भी नहीं लगेगा।

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चे से मिलीं जैकलीन, दिखाई दरियादिली

हाल ही में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने मोहम्मद नाम के एक बच्चे से मुलाकात की, जो दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है। एक्ट्रेस ने उस बच्चे के इलाज की जिम्मेदारी उठाने का फैसला किया। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज हाल ही में एक ऐसे बच्चे से मिलीं जो दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है। अभिनेत्री न केवल बच्चे और उसके परिवार के साथ समय बिताया, बल्कि उसके सर्जरी का खर्च उठाने की भी जिम्मेदारी ली। एक्ट्रेस का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सर्जरी की उठाई जिम्मेदारी

एक वीडियो में जैकलीन फर्नांडीज के साथ समाजसेवी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हुसैन मंसूरी भी दिख रहे हैं। उन्होंने एक्ट्रेस का उस दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चे के साथ मिलते हुए एक वीडियो अपने इस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें अभिनेत्री उस बच्चे को प्यार कर रही हैं, साथ ही परिवार वालों से बातें करती भी दिख रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'जैकलीन फर्नांडीज जी, उनकी सर्जरी का ध्यान रखने के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। आप बहुत ही नेक दिल हैं, अच्छे की उम्मीद है। इस बच्चे के लिए दुआ करें।

एक्ट्रेस ने दुआ करने की अपील की

इस वीडियो को जैकलीन ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'धन्यवाद हुसैन भाई। आइए हम सभी मोहम्मद और उनके परिवार के लिए प्रार्थना करें।

किस बीमारी से पीड़ित है बच्चा?

वीडियो में दिख रहा बच्चा हाइड्रोसिफलस नामक एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है। इसमें मस्तिष्क में पानी भर जाता है, जिस कारण उसे सिर बड़ा हो जाता है।

जैकलीन फर्नांडीज का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन फर्नांडीज आखिरी बार अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। एक्ट्रेस की अगली फिल्म अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, रवीना टंडन, दिशा पटानी और अन्य के साथ 'वेलकम टू द जंगल' है।

रुपाली को अक्सर लोग बेवजह निशाना बनाते हैं: राजन शाही

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने प्रोड्यूसर राजन शाही ने एक्ट्रेस रुपाली गांगुली से अपने पुराने मतभेदों, उनकी मेहनत और डेडिकेशन के बारे में खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि रुपाली को अक्सर लोग बेवजह निशाना बनाते हैं। उनकी बुराई करना मानो कुछ लोगों के लिए खुशी का जरिया बन गया है। राजन शाही ने याद किया कि 1999 में शो दिल है कि मानता नहीं के समय उनकी पहली मुलाकात रुपाली से हुई थी। उस वक्त रुपाली आर्थिक तंगी से गुजर रही थीं और वर्ली से जुहू तक पैदल उनके ऑफिस ऑडिशन देने पहुंचती थीं। शुरुआत में राजन ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन रुपाली के जज्बे ने उन्हें प्रभावित किया और उन्होंने उन्हें कास्ट कर लिया। राजन ने कहा कि रुपाली आज भी उन्हें याद दिलाती हैं कि कैसे वह ऑफिस के बाहर खड़ी रहती थीं और रिजेक्शन झेलती थीं। उन्होंने बताया कि उस दौर में उनका और रुपाली का झगड़ा भी हुआ था, जिससे दोनों का संपर्क टूट गया। सालों बाद अनुपमा के लिए जब रुपाली का नाम सामने आया तो राजन को यकीन नहीं था कि वह वापसी करेंगी। लेकिन रुपाली खुद मिलने आईं और कहा कि यह रोल उन्हीं के लिए है। दोनों ने बैठकर लंबी बातचीत की और पुरानी गलतफहमियां दूर कीं। राजन ने रुपाली के संघर्ष और मेहनत की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय वह व्यक्तिगत समस्याओं से गुजर रही थीं। उनका वजन बढ़ गया था और वह पूरी तरह एक मां के रोल में थीं। इसके बावजूद पति अश्विन और बेटे रुद्रांश के सपोर्ट से उन्होंने अनुपमा को अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बनाया। राजन के मुताबिक रुपाली सुबह चार बजे उठकर घर संभालतीं, फिर शूटिंग करतीं और सब जिम्मेदारियों को निभातीं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि चैनल की ओर से किसी और एक्ट्रेस का नाम सुझाया गया था, लेकिन वह रुपाली के पक्ष में डटे रहे। राजन ने कहा कि रुपाली परफेक्ट नहीं हैं, उनमें भी खामियां हैं, लेकिन जब लोग उनकी बुराई करते हैं तो मीडिया उसे ज्यादा तवज्जो देता है। उन्होंने दावा किया कि एक एक्टर तो पत्रकारों को बुलाकर अनुपमा और रुपाली के खिलाफ बातें करता था, जिसे उन्होंने सेट से बाहर निकाल दिया।

किंग के सेट से लीक हुआ सुहाना खान का फर्स्ट लुक

समय-समय पर फिल्म के सेट से लीक हो रही तस्वीरें सोशल मीडिया पर सनसनी मचा देती हैं। हाल ही में अभिनेता शाहरुख खान का लुक लीक हुआ था और अब उनकी बेटी सुहाना खान का फर्स्ट लुक भी इंटरनेट पर वायरल हो गया है। सोशल मीडिया पर सामने आई कुछ तस्वीरों में सुहाना खान को फिल्म के सेट पर देखा गया। एक फोटो में पुराने मैकडोनाल्ड्स स्टोर के सामने शूटिंग क्रू और पूरा सेटअप नजर आ रहा है। वहीं दूसरी तस्वीर में डेनिम और टी-शर्ट पहने एक लड़की दिखाई दी, जिसके बालों को एक तरफ बांधा गया है। दावा किया जा रहा है कि यह लड़की सुहाना खान हैं और फिल्म में उनका लुक यही रहने वाला है। तस्वीर पोस्ट करने वाले फैन पेज ने लिखा, किंग के सेट पर सुहाना खान। दिलचस्प बात यह है कि जिस जगह से सुहाना की तस्वीरें सामने आई हैं, लगभग वहीं से कुछ समय पहले शाहरुख खान का लुक भी लीक हुआ था। ब्लैक कार के पास ग्रीन स्क्रीन और कैमरों से शूटिंग करते हुए क्रू की तस्वीरें भी वायरल हुई थीं। इनसे यह साफ होता है कि फिल्म की शूटिंग फिलहाल पोलैंड में चल रही है। फिल्म किंग का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जबकि इसकी कहानी सुजॉय घोष ने लिखी है। माना जा रहा है कि फिल्म में दमदार एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। जानकारी के अनुसार, शाहरुख खान और सुहाना खान के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, सौरभ शुक्ला और राघव जुयाल भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। वहीं, अभिषेक बच्चन फिल्म में विलेन की भूमिका निभाने वाले हैं। सुहाना खान हाल ही में जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं। अब अपने पिता के साथ बड़े पर्दे पर उनकी जोड़ी देखने का इंतजार फैन्स को बेसब्री से है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उनके इस फर्स्ट लुक ने दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ा दी है। मालूम हो कि बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान की अगली फिल्म किंग को लेकर दर्शकों का उत्साह दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है।

कार्तिक आर्यन-अनन्या पांडे का डांस वीडियो वायरल

बॉलीवुड में मस्ती और एनर्जी का नाम आते ही अभिनेता कार्तिक आर्यन का चेहरा सबसे पहले याद आता है। अपने मजेदार सोशल मीडिया पोस्ट्स और दिलकश अंदाज से फैंस के दिल जीतने वाले कार्तिक इस बार अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम वीडियो के कारण चर्चा में हैं। वीडियो में वह अभिनेत्री अनन्या पांडे संग 90 के दशक के सुपरहिट गाने 'जुम्मा चुम्मा दे दे' पर धमाकेदार डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के सामने आते ही यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और फैंस दोनों सितारों की जोड़ी को खूब पसंद कर रहे हैं। कई यूजर्स ने कमेंट्स में लिखा कि इस वीडियो ने उन्हें 90 के दशक की यादें ताजा करा दी हैं। इस वीडियो में कार्तिक और अनन्या किसी हाई-एंड क्लब या बार के काउंटर पर चढ़कर मस्ती में थिरकते नजर आ रहे हैं। दोनों ने ब्लैक आउटफिट कैरी किया है। कार्तिक ने शर्ट और ट्राउजर पहना है जबकि अनन्या एक स्टाइलिश ब्लैक ड्रेस में बेहद ग्लैमरस दिख रही हैं।

टाइम्स स्क्वायर की दुर्गा पूजा का नेतृत्व करेंगी रितुपर्णा सेनगुप्ता, बनीं ब्रांड एंबेसडर

टाइम्स स्क्वायर पर आयोजित होने वाली भव्य दुर्गा पूजा का नेतृत्व इस बार बंगाली अदाकारा रितुपर्णा सेनगुप्ता करेंगीं। उन्हें टाइम्स सक्वायर दुर्गा पूजा का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। बंगाली फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता को न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर आयोजित होने वाली दुर्गा पूजा की ब्रांड एंबेसडर नियुक्त हुई हैं। वे इस साल टाइम्स स्क्वायर पर होने वाली इस भव्य दुर्गा पूजा आयोजन का नेतृत्व करेंगी। बंगाली क्लब यूएसए ने यह एलान किया है।

कब होगा आयोजन?

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, बंगाली अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता को न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर दुर्गा पूजा का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। इस दुर्गा पूजा का आयोजन 1-2 अक्तूबर को होगा। इस पूजा का आयोजन बंगाली क्लब, अमेरिका द्वारा किया जा रहा है और यह वहां रहने वाले भारतीयों और अन्य राष्ट्रीयताओं के लोगों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है।

आयोजकों ने क्या कहा?

चर्चित सिनेमा हस्ती रितुपर्णा सेनगुप्ता को दूसरी बार टाइम्स स्क्वायर दुर्गा पूजा का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। आयोजकों ने हाल ही में एक बयान में कहा, टाइम्स स्क्वायर दुर्गा पूजा 2025 की ब्रांड एंबेसडर के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री, नृत्यांगना, निर्माता, प्रतिभाशाली और खूबसूरत रितुपर्णा सेनगुप्ता को नियुक्त किया जाता है। बंगाली क्लब के एक प्रवक्ता ने बताया कि टाइम्स स्क्वायर दुर्गा पूजा 2025 का आयोजन 1-2 अक्तूबर को किया जाएगा, क्योंकि अमेरिका में भारतीय प्रवासी वीकएंड में सभी धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते हुए उत्सव का आयोजन करते हैं।

रितुपर्णा सेनगुप्ता ने जताई खुशी

पश्चिम बंगाल के मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने भी एक पुरस्कार समारोह के दौरान इस खबर की पुष्टि की, जहां रितुपर्णा सेनगुप्ता भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा, हमारी सम्मानित अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता टाइम्स स्क्वायर दुर्गा पूजा में पश्चिम बंगाल का चेहरा होंगी। यह हर कोलकातावासी, हर बंगाली और हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। वहीं, अभिनेत्री रितुपर्णा ने कहा कि वे बेहद सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा, दुर्गा पूजा का विषय और उसके उत्सव के दृश्य बंगाली फिल्मों के साथ-साथ अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी महत्वपूर्ण तरीके से दिखाए जाते हैं।

जैकी श्राफ को संजय दत्त की लापरवाही से मिली थी हीरो

बॉलीवुड के लीजेंडरी एक्टर जैकी श्रॉफ की शुरुआत एक बड़े इत्तेफाक का नतीजा थी। बहुत कम लोग जानते है कि जैकी श्रॉफ को उनकी डेब्यू फिल्म हीरो इसलिए मिली क्योंकि उस दौर में संजय दत्त अपनी लापरवाही और अनियमित आदतों के कारण फिल्म से बाहर हो गए थे। साल 1981 में फिल्म रॉकी से संजय दत्त ने धमाकेदार डेब्यू किया था और रातों-रात स्टार बन गए। उनकी सफलता से प्रभावित होकर मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई ने उन्हें दो बड़ी फिल्मों के लिए साइन किया विधाता और हीरो। विधाता की शूटिंग के दौरान संजय दत्त का रवैया लगातार समस्या खड़ी कर रहा था। कभी वह ड्रग्स की लत की वजह से सेट पर देर से पहुंचते, तो कभी अलग-अलग बहाने बनाते। इस वजह से शूटिंग बार-बार अटकती और सुभाष घई सहित पूरी टीम को दिक्कतें झेलनी पड़ीं। विधाता में दिलीप कुमार, संजीव कुमार और शम्मी कपूर जैसे दिग्गज कलाकार थे, लेकिन संजय की लापरवाही से फिल्म की प्रगति पर असर पड़ रहा था। किसी तरह फिल्म पूरी तो हो गई, लेकिन इस अनुभव ने सुभाष घई को काफी परेशान और हताश कर दिया। जब उनकी अगली फिल्म हीरो की बारी आई, तो उन्होंने संजय दत्त को रिप्लेस करने का फैसला किया। यहीं से जैकी श्रॉफ की किस्मत चमकी। उस समय वे इंडस्ट्री में नए थे और फिल्मों में छोटे-मोटे रोल किया करते थे। उन्होंने स्वामी दादा में एक छोटा सा किरदार निभाया था, जिसके लिए उन्हें क्रेडिट भी नहीं मिला था। लेकिन सुभाष घई ने जोखिम लेते हुए उन्हें अपनी नई फिल्म हीरो का हीरो बना दिया। हीरो के रिलीज होते ही जैकी श्रॉफ दर्शकों के दिलों में बस गए। फिल्म सुपरहिट हुई और जग्गू दादा के नाम से मशहूर जैकी श्रॉफ रातों-रात स्टार बन गए। जिस रोल को करने के लिए मूल रूप से संजय दत्त चुने गए थे, वही रोल जैकी श्रॉफ के करियर का टर्निंग प्वॉइंट साबित हुआ।

किसानों ने लगाये प्राधिकरण के बुल्डोजरों पर ब्रेक

सलारपुर में प्राधिकरण ने मामूली तोड़फोड़ की, किसानों ने दिखाये स्टे ऑर्डर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सलारपुर खादर गांव में जिन 24 खसरों पर 39 डेवलपर ने अवैध इमारतों का निर्माण किया है। यहां करीब 60 इमारत बनी है। ये सभी छह से सात फ्लोर की है। प्राधिकरण की एक टीम इन इमारतों को ध्वस्त करने पहुंची थी। प्राधिकरण दस्ता एक्शन शुरू करता इससे पहले ही किसान संगठन यहां पहुंच गए। उन्होंने हंगामा किया। प्राधिकरण यहां खसरा नंबर 795, 796 पर बने निर्माण को तोड़ने गए थे। जिस पर अदालत से स्टे लगा है। किसानों से बातचीत में और स्टे कॉपी सामने आने के बाद स्थिति साफ हो सकी।

प्राधिकरण छह जेसीबी, टैक्टर ट्राली के अलावा 50 से ज्यादा स्टॉफ कर्मी और भारी पुलिस बल के साथ सलारपुर पहुंची। यहां एक्शन लेने से पहले ही किसान संगठन मौके पर पहुंचे। बातचीत के बाद प्राधिकरण ने सड़क किनारे बनी टीन की शेड को ध्वस्त किया साथ ही साइट ऑफिस को ध्वस्त किया। जिसके बाद वासप लौटी। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही सभी अवैध इमारतों को ध्वस्त किया जाएगा।

प्राधिकरण ने बताया कि सलारपुर खादर पुलिस चौकी के पीछे खसरा संख्या 723, 724 नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित व खसरा संख्या 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752 व 753 प्राधिकरण की अधिसूचित व अर्जित भूमि है। यहां पर अवैध रुप से 60 से ज्यादा इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें वन बीएचके से लेकर 2 और 3 बीएचके फ्लैट है। जिनकी कीमत करीब 30 से 65 लाख तक है।

करीब एक महीने पहले प्राधिकरण की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ यहां पर डेवलपर को नोटिस जारी करते हुए इमारतों पर नोटिस चस्पा किए थे। इन लोगों ने नोटिस को हटा दिया और चोरी छिपे निर्माण कार्य शुरू कर दिया। अब प्राधिकरण इन डेवलपर के खिलाफ भू माफिया के तहत एक्शन लेने जा रही है। जिस पर नोएडा डीएम से बैठक की जा चुकी है। जल्द ही बड़ा एक्शन हागा।

यहां निर्माण में भूजल का प्रयोग किया जा रहा है। इसे रोकने के लिए प्राधिकरण ने डीएम से पत्राचार किया है। ताकि भूजल दोहन को रोका जा सके। साथ ही पानी नहीं होने से चोरी छिपे होने वाला कंस्ट्रक्शन भी रुक जाएगा। इस पर जल्द एक्शन होने की बात की जा रही है।

कुत्तों की समस्या पर फोनरवा टीम की पूर्व केंद्रीय मंत्री से मुलाकात

दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)। आवारा एवं खतरनाक कुत्तों के शिकार नोएडा में काफी लोग बन चुके हैं। खासकर बच्चे, बुजुर्ग इन खतरनाक कुत्तों की समस्या को लेकर फेडरेशन ऑफ नोएडा वेलफेयर एसो (फोनरवा) ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात की है।

फोनरवा टीम ने दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल से मुलाकात की। यह बैठक नोएडा शहर में बढ़ती आवारा एवं खतरनाक कुत्तों की समस्या को लेकर की गई। बैठक में फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय भाटी तथा कोषाध्यक्ष पवन यादव, भाजपा क्षेत्रीय सह मीडिया संपर्क विभाग से मनोज शर्मा शामिल रहे।

बैठक के दौरान फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा ने कहा कि नोएडा में आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाना होगा, कुत्तों के लिए अधिक केंद्र (डॉग शेल्टर) स्थापित, खतरनाक एवं आवारा कुत्तों की पकड़ को सख्ती से लागू करना, समस्या के स्थायी समाधान के लिए देशव्यापी मुहिम चलानी पड़ेगी, बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक पीड़ित रहते हैं, खतरनाक कुत्ते कभी भी जानलेवा हमला कर देते है। चर्चा के दौरान पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने कहा कि कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। साथ ही इनके नियंत्रण पर ठोस कारगर नीति बनाई जाएगी।

'अस्पताल परिसर के बाहर बनाया जाए सार्वजनिक शौचालय'

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल नोएडा में प्रतिदिन करीब 4 से 5 हजार मरीज इलाज के लिए आते हैं। मरीजों के साथ बड़ी संख्या में परिजन भी पहुंचते हैं। इतने बड़े पैमाने पर लोगों की आवाजाही से साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की अहमियत और बढ़ जाती है।

अस्पताल प्रबंधन लगातार सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। इन्हीं प्रयासों के बीच सुझाव दिया गया है कि मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए अस्पताल परिसर के बाहर भी शौचालय का निर्माण किया जाए। महिला, पुरुष और दिव्यांगजनों के लिए अलग-अलग शौचालय उपलब्ध होने से अस्पताल आने वाले लोगों को और राहत मिलेगी।

इस व्यवस्था से अस्पताल की स्वच्छता बनी रहेगी और मरीजों व परिजनों को बाहर निकलने पर भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।स्थानीय लोग और अस्पताल आने वाले मरीजों ने भी नोएडा प्राधिकरण से आग्रह किया है कि अस्पताल परिसर के बाहर शीघ्र ही आधुनिक शौचालयों का निर्माण कराया जाए, ताकि इस अस्पताल में आने वाले हज़ारों लोगों को अतिरिक्त सुविधा मिल सके।

विदेशी उत्पादों का सभी व्यापारी करें बहिष्कार: विकास जैन

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ ने चलाया स्वदेशी जन-जागरण अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर में स्वदेशी जनजागरण अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी महेश चौहान व भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक विकास जैन ने सेक्टर 51 से शुरुआत की तथा हस्ताक्षर अभियान चलाया। जिसमें सैकड़ों व्यापारियों ने स्वदेशी जनजागरण का समर्थन किया और विदेशी उत्पादों का विरोध किया। महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि जब तक हम स्वदेशी चीज़ों का प्रयोग नहीं करेंगे तब तक न तो हम सफल हो पाएंगे ना हम स्वस्थ रह पाएंगे। स्वदेशी वस्तुओं तन और मन के लिए प्रत्यक्ष रूप से लाभदायक है। हमें मोदी जी के सपने को साकार करना है और विदेशी चीज़ों का त्याग करना है।

भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक व उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि जन जन तक यह बात पहुँचनी चाहिए कि हमें केवल हमारे देश में ही निर्मित वस्तुओं का प्रयोग करना है। विदेशी चीज़ों का प्रयोग करने से अर्थव्यवस्था के साथ साथ देश की गरिमा को भी ठेस पहुँचाता है। हमें हमारी अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिए स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना पड़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक वस्तु खाने पीने की वस्तु मोबाइल व अन्य सभी वस्तुएँ जो भी हमारे देश मे ना बनायी जाती हो उसका हमें बहिष्कार करना चाहिए। हमारा देश मज़बूत होगा तो हम मज़बूत होंगे। कार्यक्रम के संयोजक मनीष शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार ऑनलाइन कंपनियों ने हमारे परंपरागत बाज़ारों को ख़त्म किया है हमें भी विदेशी कंपनियों की कमर तोड़ने के लिए त्यौहारी दिनों में उनका विरोध करना चाहिए।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष महेश चौहान उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल प्रवीण गर्ग मंडल अध्यक्ष राम किशन यादव भूपेश कुमार प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल प्रदेश सचिव मनीष शर्मा नवीन अग्रवाल मिश्राजी व अन्य पदाधिकारी व्यापारी मौजूद थे।

सांई संस्कार अध्ययन केंद्र के ब ों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

नोएडा (चेतना मंच)। सांई संस्कार अध्ययन केंद्र गढी सेक्टर-68 नोएडा के विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों पी.के.मिश्रा (रिटायर्ड IAS)सदस्य संघ लोक सेवा आयोग , आर.के. शर्मा (समाजसेवी) सचिव सांई करुणा धाम सेक्टर-61 नोएडा, पूर्व निदेशक NIOS एवं प्रोजेक्ट चेयरमैन नोएडा लोक मंच शिक्षा समिति से डा. एनके अंबष्ट, महेश सक्सेना महासचिव नोएडा लोक मंच, ओ.पी. पारिख सदस्य नोएडा लोक मंच श्रीमती विभा बंसल कोषाध्यक्ष नोएडा लोक मंच, श्रीमती गिरिजा सिंह एवं श्रीमती लीका सक्सेना के द्वारा दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के बच्चों द्वारा अतिथियों के लिए स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया तत्पश्चात सांई भजन पर एवं राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुति की गई।

जहां बच्चों के द्वारा प्रस्तुत नृत्यों ने दर्शकों को प्रफुल्लित किया,वहीं हास्य कविता 'यमराज से भेंट' कविता ने अतिथियों को लोटपोट कर दिया। 'मां' पर बोली गई कविता ने उपस्थित दर्शकों को भावुक कर दिया।

मुख्य अतिथि पी. के. मिश्रा ने अपने वक्तव्य में अपने बचपन के बारे में बताया।

अतिविशिष्ट अतिथि आर.के शर्मा ने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से सांई बाबा की कृपा से बच्चों को प्रतिवर्ष लगातार कॉपी किताबें वह कलर ऑन का वितरण कर रहे हैं। आर के शर्मा एवं पी.के मिश्रा द्वारा बच्चों को कॉपी, किताब एवं कलर्स का वितरण किया गया।

महेश सक्सेना महासचिव नोएडा लोकमंच एवं नोएडा लोक मंच शिक्षा समिति के प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ.एन. के.अम्बष्ट एवं उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा विशिष्ट अतिथियों को विद्यालय के छात्रों द्वारा बनाई गई पेंटिंग और पौधा देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में जिन बच्चों ने प्रस्तुतियां की। सुभाष सिंघल के द्वारा पुरस्कार वितरण किए गए।

इस कार्यक्रम में शहर के लोगों ने आर.एन. श्रीवास्तव, मुक्ता गुप्ता ,आशु सक्सेना, श्रीमती एवं एस.पी.ढाका, ज्योति सक्सेना, राजेश श्रीवास्तव, विनीत सक्सेना, लुबना, अल्का, अरुण ठाकुर, विद्यालय के प्रधानाचार्या लक्ष्मी नेगी, उप प्रधानाचार्या अनीता सक्सेना एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

हर शुक्रवार नोएडा कैंप में जनसुनवाई करेंगी डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। गौतम बुद्धगिरी जिलाधिकारी मेधा रूपम अब हर मां के शुक्रवार को नोएडा सेक्टर 27 स्थित कैंप कार्यालय में जनसुनवाई करेगी। वे यहां हर शुक्रवार को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक लोगों की समस्याएं सुनेंगी। मालूम हो कि समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेधा रूपम प्रतिदिन प्रात: 10 से 12 बजे तक कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में जनता दर्शन के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई करती हैं।

अब वे हर माह के प्रत्येक शुक्रवार को प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कैंप कार्यालय, सेक्टर-27, नोएडा में जनसुनवाई करेंगी।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
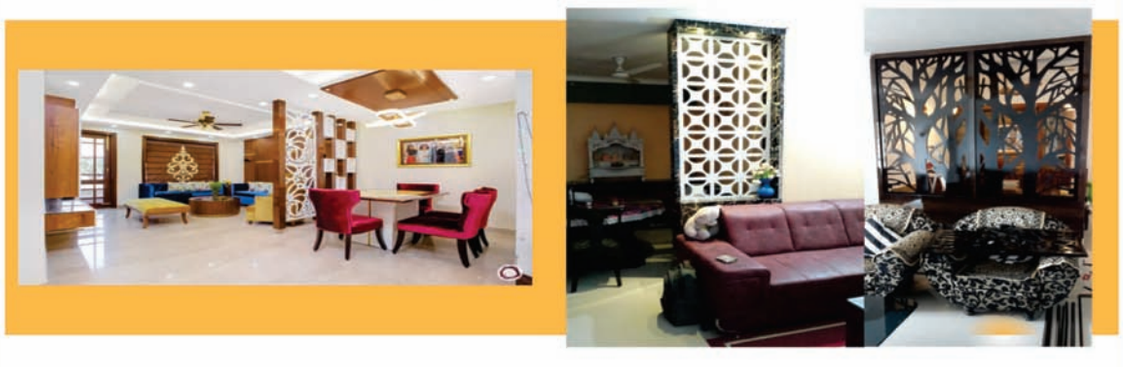
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

नोएडा में भी लीजिए बिहार के पारंपरिक व्यंजनों का जायका

नोएडा (चेतना मंच)। अब बिहार के स्वादिष्ट व्यंजनों का जायका अब आपको नोएडा में भी मिलेगा। सेक्टर-49 में हनुमान मंदिर से करीब 300 मीटर आगे मेन रोड पर खुला बलोच रेस्टोरेंट बिहार के पारंपरिक व्यंजनों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां पर इन दिनो स्वाद बिहार के नाम से बिहार फूड फेस्टिवल चल रहा है ।जहां पर एक से एक बढ़कर स्वादिष्ट बिहार के पारंपरिक व्यंजनों का लोक लुत्फ उठा रहे हैं।

अपने स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए पुरस्कृत बलोच रेस्तरां के महाप्रबंधक मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे तो इस रेस्टोरेंट में चाइनीज़ फूड, साउथ इंडियन तथा नॉर्थ इंडिया के सभी व्यंजन पाए जाते हैं। लेकिन विशेष तौर पर बिहार की पहचान वाले पारंपरिक व्यंजन मसलन लिट्टी चोखा ,सत्तू पराठा, मखाने की खीर, चंपारण की हांडी वाला मटन तथा मालपुआ की बात ही कुछ और है।

उन्होंने बताया कि यहां की खास विशेषता यह है कि यहां पर बने बिहार के पारंपरिक व्यंजन विशुद्ध बिहार की याद करो ताजा कर देते हैं ।यही वजह है कि बिहार का स्वाद के नाम से चल रहे फूड फेस्टिवल में स्वादिष्ट खाने वालों की भीड़ हमेशा बनी रहती है ।

यहां पर मिलने वाले लिट्टी चोखा, सत्तू के पराठे , मखाने की खीर, चंपारण का हांडी वाला मटन तथा मालपुआ खाने के बाद लोग बार-बार यहां आने का मन करते हैं।